फाल्गुन शुक्ल - 3 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 216 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 02-03-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 सरकार कृषि बजट प्रस्तावों के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध

6 ले. नरेंद्र मायेकर: लहूलुहान होकर भी किया कई उग्रवादियों का खात्मा, कर्तव्य के लिए हुए बलिदान

7 श्रेया घोषाल का 'एस' अकाउंट हैक, फैंस को दी चेतावनी

फर्स्ट टेक

पेटीएम को फेमा उल्लंघन के लिए ईडी का नोटिस

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस को दो अनुषंगी कंपनियों के अधिग्रहण के संबंध में कंपनी द्वारा कुछ फेमा नियमों के कथित उल्लंघन के लिए नोटिस भेजा है। पेटीएम ब्रांड की मालिक वन97 कम्युनिकेशंस (ओसीएल) ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसे अपनी अनुषंगी कंपनियों- लिटिल इंटरनेट प्राइवेट लिमिटेड और नियरबाय इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए 28 फरवरी को प्रवर्तन निदेशालय से फेमा उल्लंघन नोटिस मिला है।

चीन ने तिब्बत में माउंट एवरेस्ट क्षेत्र को फिर से खोला

बीजिंग/भाषा। चीन ने शनिवार को तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में माउंट एवरेस्ट के मनोरम इलाके को फिर से खोल दिया। इसे जनवरी में आए भूकंप के बाद बंद कर दिया गया था। दुनिया की सबसे ऊंची चोटी के उत्तरी आधार शिविर डिंगरी में 6.8 तीव्रता का भूकंप आने के बाद सात जनवरी को इस क्षेत्र को बंद कर दिया गया था। भूकंप में 126 लोगों की मौत हो गई थी और 188 अन्य घायल हुए थे। तिब्बती भाषा में माउंट एवरेस्ट को 'माउंट क्यूमोलंगमा' के नाम से जाना जाता है जो चीन और नेपाल के बीच सीमा का हिस्सा है।

कुर्द चरमपंथियों ने तुर्किये में संघर्ष विराम की घोषणा की

इस्तांबुल/एपी। तुर्किये में विद्रोही कुर्द चरमपंथियों ने शनिवार को संघर्ष विराम की घोषणा की। इसे राष्ट्रपति रजब तैयप एर्दोआन की सरकार के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कुर्द चरमपंथियों का यह विद्रोह 40 वर्ष से जारी था। जेल में बंद चरमपंथी नेता ने दो दिन पहले ही समूह से हथियार डालने का आह्वान किया था। कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी या पीकेके की यह घोषणा क्षेत्र में व्यापक परिवर्तनों की पृष्ठभूमि में आई है, जिसमें पड़ोसी देश सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल-असद को अपदस्थ किए जाने के बाद नई सरकार का गठन, लेबनान में हिजबुल्ला चरमपंथी आंदोलन का कमजोर पड़ना और गाजा में इजराइल-हमास युद्ध शामिल हैं। पीकेके की घोषणा शनिवार को चरमपंथी समूह के करीबी मीडिया संस्थान फिरात समाचार एजेंसी द्वारा प्रकाशित की गई। इसमें विद्रोहियों के नेता अब्दुल्ला ओकलान का हवाला गया था, जो 1999 से तुर्किये की जेल में बंद हैं। घोषणा के अनुसार, ''हम आज से संघर्ष विराम के प्रभावी होने की घोषणा करते हैं, ताकि शांति और लोकतांत्रिक समाज के आह्वान के कार्यान्वयन का मार्ग प्रशस्त हो सके।

28-02-2025 सूर्यास्त 6:28 बजे | 01-03-2025 सूर्योदय 6:35 बजे

BSE	NSE
74,612.43	22,545.05
(+10.31)	(-2.50)

सोना	चांदी
8,919 रु.	98,743 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बदतमीज नेता

क्या सचमुच ये ही नेता हैं,
वाणी से सारे शर्मसार।
जूतों की भाषा बोल रहे,
करके मर्यादा तार-तार।
चुनने में गलती कर बैठे,
पावन सदनों पर बने भार।
दलवादी वोटर कब समझे,
इस लोकतंत्र का सही सार।।

भारत अब दुनिया के कारखाने के रूप में उभर रहा है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर ऑटोमोबाइल के क्षेत्र तक दुनिया ने भारत के पैमाने और क्षमता को देखा है। भारत न केवल दुनिया को उत्पाद उपलब्ध करा रहा है, बल्कि वैश्विक आपूर्ति शृंखला में एक भरोसेमंद और विश्वसनीय भागीदार भी बन रहा है।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि उनका 'वोकल फॉर लोकल' अभियान अब रंग ला रहा है, क्योंकि भारतीय उत्पाद वैश्विक हो रहे हैं और दुनिया भर में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं।

मोदी ने 'एनएक्सटी' सम्मेलन में 'न्यूजएक्स वर्ल्ड' चैनल के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि भारत अनंत नवोन्मेषों, किफायती समाधान खोजने और उन्हें विश्व को उपलब्ध कराने की भूमि बन रहा है। मोदी ने कहा, ''दुनिया 21वीं सदी के भारत को उत्सुकता से देख रही है। दुनिया भर से लोग भारत आना और उसे समझना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा कि देश अब विनिर्माण केंद्र और ''दुनिया के कारखाने'' के रूप में उभर रहा है।

मोदी ने कहा, ''दशकों से दुनिया भारत को अपना 'बैक ऑफिस' कहती रही है। अब भारत दुनिया का नया कारखाना बन रहा है। हम अब केवल कार्यबल नहीं रह गए हैं, बल्कि एक विश्व शक्ति बन रहे हैं।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के बढ़ते रक्षा उत्पाद दुनिया के सामने इसकी इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी की ताकत को दर्शाते हैं। मोदी ने कहा, ''इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर ऑटोमोबाइल के क्षेत्र तक दुनिया ने भारत के पैमाने और क्षमता को देखा है। भारत न केवल दुनिया को उत्पाद उपलब्ध करा रहा है, बल्कि वैश्विक आपूर्ति शृंखला में एक भरोसेमंद और विश्वसनीय भागीदार भी बन रहा है।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में भारत का नेतृत्व वर्षों की कड़ी मेहनत और व्यवस्थित नीतिगत निर्णयों का परिणाम है। उन्होंने कहा, ''मैंने कुछ साल पहले देश के सामने 'वोकल फॉर लोकल' और 'लोकल फॉर ग्लोबल' की सोच रखी थी और आज हम इस सोच को हकीकत में बदलते देख रहे हैं।''

मोदी ने कहा कि देश 'सेमीकंडक्टर' और विमानवाहक पोत बना रहा है तथा इसके मखाना और बाजरा जैसे 'सुपरफूड' (न्यूनतम कैलोरी और अधिकतम पोषक तत्व वाले खाद्य पदार्थ), आयुष उत्पाद तथा योग को दुनिया भर में अपनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत एक प्रमुख ऑटोमोबाइल निर्माता बन गया है और इसका रक्षा निर्यात बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को दुनिया के सामने बिना किसी पूर्वाग्रह के वैसा ही पेश किया जाना चाहिए, जैसा वह है। उन्होंने कहा, ''हमें किसी तरह के दिखावे की जरूरत नहीं है।''

स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा क्षेत्रों को प्रभावित कर रहा है व्यावसायीकरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ सनातन को देश की संस्कृति और शिक्षा का हिस्सा होना चाहिए, क्योंकि यह समावेशिता का प्रतीक है।

मुंबई/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा प्रणालियां वस्तुकरण और व्यावसायीकरण से ग्रस्त हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा से असमानता कम होती है।

दक्षिण मुंबई में केपीबी हिंदुजा कॉलेज के वार्षिक दिवस समारोह में धनखड़ ने कहा कि अमेरिका के कुछ विश्वविद्यालयों की निधियां अरबों डॉलर में हैं। उन्होंने कहा, ''पश्चिम में, (शैक्षणिक) संस्थान से निकलने वाला कोई भी व्यक्ति कुछ वित्तीय योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध होता है।'' उन्होंने कॉरपोरेट जगत से इस दिशा में सोचने का आग्रह किया।

धनखड़ ने कहा कि सनातन (सनातन धर्म) भारत के सभ्यतागत लोकाचार और सार का हिस्सा रहा है। उन्होंने कहा कि सनातन को देश की संस्कृति और शिक्षा का हिस्सा होना चाहिए, क्योंकि यह समावेशिता का प्रतीक है। उन्होंने जड़ों से जुड़े रहने की आवश्यकता पर बल दिया।

उपराष्ट्रपति ने कहा, ''परोपकारी प्रयासों को वस्तुकरण और व्यावसायीकरण के दर्शन से प्रेरित नहीं होना चाहिए। हमारी स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा प्रणालियां इनसे ग्रस्त हैं।''

वस्तुकरण से तात्पर्य किसी चीज को ऐसी वस्तु बनाने से है, जिसे खरीदा, बेचा या जिसका आदान-प्रदान किया जा सके। उन्होंने शिक्षा को सबसे प्रभावशाली परिवर्तनकारी तंत्र भी बताया, जो समानता लाती है।

उपराष्ट्रपति ने सनातन धर्म का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा कि सनातन भारत की सभ्यतागत प्रकृति और सार का हिस्सा रहा है।

धनखड़ ने कहा, ''सनातन को देश की संस्कृति और शिक्षा का हिस्सा होना चाहिए क्योंकि यह समावेशिता का प्रतीक है।''

मणिपुर के सभी रास्तों पर निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करें : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर के सभी रास्तों पर आठ मार्च से निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने और अवरोध उत्पन्न करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं । शाह ने शनिवार को यहां मणिपुर की सुरक्षा स्थिति पर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि सरकार मणिपुर में चिरस्थायी शांति बहाली के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए हरसंभव सहायता दे रही है।

गृह मंत्री ने निर्देश दिया कि आठ मार्च से मणिपुर के सभी रास्तों पर जनता की मुक्त आवाजाही सुनिश्चित की जाए और रास्ते में अवरोध उत्पन्न करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि जबरन उगाही के सभी मामलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखी जाए।

शाह ने कहा कि मणिपुर से लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा पर आवाजाही के लिए चिह्नित किए गए प्रवेश स्थानों के दोनों तरफ बाड़ लगाने के काम को जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि मणिपुर को नशामुक्त बनाने के लिए नशे के व्यापार में लिप्त पूरे नेटवर्क को ध्वस्त किया जाए।

ट्रंप ने यूक्रेन, रूस के बीच 'तत्काल' संघर्ष विराम की अपील की, जेलेंस्की की मंशा पर संदेह जताया

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच तत्काल संघर्ष विराम की इच्छा जताते हुए यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को चेतावनी दी कि वह या तो शांति स्थापित करें, अन्यथा अमेरिकी समर्थन खोने के लिए तैयार रहें।

ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के कार्यालय 'ओवल ऑफिस' में शुक्रवार को जेलेंस्की से मुलाकात के दौरान हुई तीखी बहस के कुछ घंटों बाद कहा, वह व्यक्ति शांति नहीं चाहता। उन्होंने कहा, मैं तुरंत संघर्ष विराम चाहता हूं।

ट्रंप ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शांति समझौते के लिए तैयार प्रतीत होते हैं।

ओवल ऑफिस में ट्रंप के साथ बहस के बाद जेलेंस्की ने कहा

'धन्यवाद अमेरिका', 'धन्यवाद अमेरिकी राष्ट्रपति'

न्यूयॉर्क/भाषा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने ओवल ऑफिस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस के साथ कहासुनी के बाद व्हाइट हाउस से रवाना होने के बाद यूक्रेन के समर्थन के लिए ट्रंप और अमेरिका का आभार व्यक्त किया। जेलेंस्की ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, धन्यवाद अमेरिका, आपके समर्थन के लिए धन्यवाद, इस यात्रा के लिए धन्यवाद। अमेरिकी राष्ट्रपति, कांग्रेस और अमेरिकी लोगों का धन्यवाद। यूक्रेन को न्यायपूर्ण और स्थायी शांति की आवश्यकता है, और हम बस उसी के लिए काम कर रहे हैं।

तेलंगाना सुरंग हादसा: चार लोगों का पता लगाया गया, बचने की उम्मीद बेहद कम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नगरकुरनूल/भाषा। तेलंगाना में एक सुरंग ढहने के बाद सप्ताहभर से जारी बचाव अभियान के दौरान एक सफलता तब मिली जब इसमें फंसे कुल आठ लोगों में से चार की 'लोकेशन' का पता लगा लिया गया। यह जानकारी राज्य के आबकारी मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने शनिवार को दी। हालांकि, उन्होंने कहा कि सुरंग में फंसे लोगों के बचने की उम्मीद बेहद कम है।

कृष्ण राव सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी के साथ बचाव अभियान में शामिल अधिकारियों के साथ बैठक में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में काफी प्रगति हुई है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''मेरे विचार से रडार के जरिए चार लोगों की लोकेशन का पता लगा लिया गया है।'' उन्होंने उम्मीद जताई कि रविवार शाम तक लोगों को बाहर निकाल लिया जाएगा।

जिन चार लोगों के बारे में पता चला है, उनकी स्थिति के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा कि उन्होंने पहले दिन ही कहा था कि फंसे हुए लोगों के बचने की संभावना बहुत कम है।

कृष्ण राव ने कहा कि जहां चार लोगों के होने के स्थान की पहचान की गई है, वहां हाथ से गाद निकालने का काम किया जा रहा है जिसके रविवार शाम तक पूरा होने की उम्मीद है।

त्रिपुरा में बीएसएफ ने बांग्लादेशी तस्कर को मार गिराया

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के सिपाहीजाला जिले में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने एक बांग्लादेशी तस्कर को उस समय मार गिराया, जब अंतरराष्ट्रीय सीमा के दोनों ओर से तस्करों के एक समूह ने बल के जवानों पर हमला किया। बीएसएफ ने शनिवार को यह जानकारी दी। बीएसएफ ने कहा कि तस्करों के हमले में उसका एक जवान भी घायल हो गया। शुक्रवार देर शाम कलमचौरा पुलिस थाने के अंतर्गत पुटिया में 20 से 25 बांग्लादेशी बदमाशों का एक समूह भारतीय क्षेत्र में घुस आया और अपने कई भारतीय सहयोगियों से मिला। बीएसएफ ने एक बयान में कहा कि जब उसके जवानों ने तस्करों को चुनौती दी, तो तस्करों ने सीमा प्रहरियों पर हमला कर दिया, जिससे एक जवान घायल हो गया।

समाज में हो रही हिंसा में सिनेमा की भूमिका हो सकती है, लेकिन सिर्फ यही प्रमुख कारण नहीं : सुरेश गोपी

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने शनिवार को कहा कि समाज में हो रही हिंसा में सिनेमा की भूमिका हो सकती है, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि फिल्में ही इसका प्रमुख कारण है।

केंद्रीय पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और पर्यटन राज्य मंत्री गोपी ने कहा कि फिल्म देखने वाले लोगों को सिर्फ फिल्में देखनी ही नहीं चाहिए बल्कि उन्हें समझना भी चाहिए।

अभिनेता एवं मंत्री गोपी ने कहा कि वह यह नहीं कह सकते कि फिल्मों में हिंसा को नहीं दिखाया जाना चाहिए या इसे कम किया जाना चाहिए, लेकिन लोगों को यह समझने की जरूरत है कि जो दिखाया जा रहा है वह ''सिर्फ मनोरंजन के लिए नहीं है बल्कि उन्हें इससे यह सीखने की जरूरत है कि इस तरह के कृत्य अच्छे नहीं हैं।'' उन्होंने कहा, ''सिर्फ फिल्में देखें ही नहीं बल्कि उसे समझें भी।''

गोपी ने समाज में हिंसा की घटनाओं में सिनेमा की भूमिका पर संवाददाताओं द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए ये बातें कहीं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि 'आरडीएक्स' और 'मार्को' जैसी मलयालम एक्शन फिल्में बड़े पैमाने पर ''लोगों, विशेषकर युवाओं को हिंसक बनने के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं।'' गोपी ने कहा कि परिवार में जन्म लेने वाला प्रत्येक बच्चा राष्ट्र के लिए एक परिसंपत्ति है और राजनीतिक दलों, सरकार और लोगों सहित सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करने के लिए काम करना चाहिए कि उन सभी का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहे और वे अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर सकें।

सहज स्मृति योग

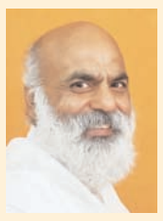

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, आप साधकों के लिए प्रत्येक सम्बन्ध में उचित और मर्यादित पारस्परिक व्यवहार करने को उनकी आध्यात्मिक साधना का आवश्यक अंग बताते हैं। मेरे मन में यह प्रश्न है कि कल जो अमेरिकन प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रम्प और यूक्रेनियन प्रेसिडेंट ज़ेलेंस्की के बीच तू-तू मैं-मैं हुई, उसे आप कैसे देखते हैं ?

उत्तर: इस उदाहरण से आपका संकेत उस सनातन सिद्धांत के औचित्य और प्रासंगिकता की ओर है जिसमें यह कहा गया है कि, 'जैसा आचरण समाज के श्रेष्ठजन करते हैं वैसा ही व्यवहार लोक में प्रचलित होता जाता है।' उस दृष्टि से देखें तो अंतर्राष्ट्रीय राजनय के क्षेत्र में यह एक अभद्र उदाहरण प्रस्तुत हुआ है। मान लीजिए कि दोनों पक्ष अपने अपने देशहित के संबंध में सच ही बोल रहे थे और वह टकरा रहा था, तब भी वक्ताओं का स्वर मधुर और मंद ही बना रहना चाहिए था। संवाद के समय पुरुष-वचन बोलना असभ्य और असांस्कृतिक ही कहा जाता है। सामान्यत: तो किसी भी क्षेत्र के श्रेष्ठ और वरिष्ठ व्यक्तियों को ऐसे व्यवहार से स्वयं को बचाए रखना चाहिए और राष्ट्राध्यक्षों को तो विशेष तौर से ऐसे प्रसंग नहीं बनने देने चाहिएं जो एक अशोभनीय उदाहरण के रूप में इतिहासकारों द्वारा संदर्भित कर लिए जाएँ।

भारत, यूरोपीय संघ ने एफटीए वार्ता में तेजी लाने के प्रयासों पर चर्चा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने के लिए 2025 के अंत तक की समयसीमा तय की है। इसके साथ ही दोनों पक्षों की टीमों ने संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते की दिशा में प्रयासों में तेजी लाने के लिए शनिवार को चर्चा की।

मुंबई में यह बैठक वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ईयू के व्यापार और आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविक के बीच दोनों पक्षों के अधिकारियों के साथ हुई। गोयल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, हमारी चर्चा संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी एफटीए की दिशा में प्रयासों को गति देने पर केंद्रित थी। आर्थिक संबंधों को गहरा करने और समृद्ध भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी को बढ़ावा देने की आशा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने 28 फरवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शुल्क नीति पर बढ़ती चिंताओं के बीच इस वर्ष तक बहुप्रतीक्षित एफटीए पर सहमति व्यक्त की।

दोनों पक्षों के बीच 10-14 मार्च तक ब्रुसेल्स में एफटीए के लिए दसवें दौर की वार्ता होनी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अधिक शुल्क लगाने की धमकी के मद्देनजर दोनों के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करना महत्वपूर्ण है। मौजूदा अनिश्चित वैश्विक आर्थिक स्थिति में, भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है। वित्त वर्ष 2024-25 में इसके 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। जून, 2022 में भारत और 27 देशों के यूरोपीय संघ के समूह ने आठ साल से ज़्यादा के अंतराल के बाद बातचीत बहाल की।

बाजारों को खोलने के स्तर पर मतभेदों के कारण 2013 में यह बातचीत रुक गई थी। वाहन क्षेत्र में महत्वपूर्ण शुल्क कटौती की मांग के अलावा, यूरोपीय संघ वाइन, स्पिरिट्स और एक मज़बूत बौद्धिक संपदा व्यवस्था में कर कटौती चाहता है। भारत आईटी क्षेत्र के लिए डेटा सुरक्षा दर्जा भी चाहता है। इस दर्जे की कमी के कारण भारत में संवेदनशील जानकारी का प्रवाह रुक गया है, जो आईटी उद्योग के लिए एक बड़ी बात है।

रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास में अहमदाबाद की विरासत को शामिल किया जाएगा: वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि अहमदाबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की परियोजना के लिए कई नवाचार किए गए हैं, जिसमें खासतौर पर यह ध्यान रखा जाएगा कि रेलवे स्टेशन का डिजाइन ऐसा हो जिसमें शहर की समृद्ध विरासत की झलक हो।

पुनर्विकास परियोजना की समीक्षा के बाद वैष्णव ने कहा कि शहर की विरासत से प्रेरित वास्तुशिल्प तत्व, जैसे 'झूलता मीनार', पतंग महोत्सव आदि को डिजाइन में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह दृष्टिकोण आधुनिक भारत के सांस्कृतिक ताने-बाने को संरक्षित करने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। भारतीय रेलवे की महत्वाकांक्षी अमृत भारत स्टेशन परियोजना के तहत इस स्टेशन का पुनर्विकास किया जा रहा है। अमृत भारत स्टेशन परियोजना का उद्देश्य देश भर में 1,300 से अधिक रेलवे स्टेशन का कायाकल्प करना है। वैष्णव ने कहा कि उन्नत रेलवे स्टेशन अहमदाबाद को विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ वैश्विक विरासत शहर का दर्जा देगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि तेज रफ्तार से निर्माण कार्य किया जाएगा तथा न के बराबर रेलगाड़ियों को रद्द किया जाएगा। मंत्री ने कहा, ''विश्व स्तरीय अहमदाबाद स्टेशन का काम अच्छी रफ्तार के साथ किया जा रहा है। इसके लिए कई नवाचार किए गए हैं।''

तेलंगाना सुरंग हादसा: फंसे हुए चार लोगों के 'लोकेशन' का पता लगाया गया: राज्य मंत्री कृष्ण राव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागरकुरनूल/भाषा। तेलंगाना में एक सुरंग ढहने के बाद सप्ताहभर से जारी बचाव अभियान के दौरान एक सफलता तब मिली जब इसमें फंसे कुल आठ लोगों में से चार के 'लोकेशन' का पता लगा लिया गया। यह जानकारी राज्य के आबकारी मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने शनिवार को दी।

सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी के साथ, बचाव अभियान में शामिल अधिकारियों की बैठक में शामिल कृष्ण राव ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में काफी प्रगति हुई है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''मेरे विचार से रडार के जरिए चार लोगों के लोकेशन का पता लगा लिया गया है।'' उन्होंने उम्मीद जताई कि रविवार शाम तक उन्हें बाहर निकाल लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि अन्य चार लोग सुरंग खोदने की मशीन (टीबीएम) के नीचे फंसे हुए हैं।

जिन चार लोगों के बारे में पता चला है, उनकी स्थिति के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने याद दिलाया कि उन्होंने पहले ही दिन कहा था कि बचने की संभावना बहुत कम है। उन्होंने कहा कि 450 फुट ऊंची टीबीएम को काटा जा रहा है। इस अभियान में करीब 11 एजेंसियों के कर्मी शामिल हैं। अभियान में देरी को लेकर विपक्षी दलों की आलोचना का जिक्र करते हुए कृष्ण राव ने कहा कि इस प्रयास में शामिल लोग विशेषज्ञ हैं, लेकिन सुरंग के अंदर कीचड़ सहित अन्य स्थितियों को देखते हुए बचाव कार्य जटिल है। श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग की छत ढहने से उसके नीचे 22 फरवरी से आठ लोग (इंजीनियर और श्रमिक) फंसे हुए हैं और उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने के लिए बचाव अभियान जोर-शोर से जारी है।

अनुच्छेद 136 में हस्तक्षेप संकीर्ण माना गया, इससे मध्यस्थता प्रक्रिया को नुकसान पहुंच रहा : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि विशेष अनुमति याचिका का प्रावधान एक संकीर्ण रास्ता माना जाता था, लेकिन अब इसके व्यापक इस्तेमाल के कारण मध्यस्थता प्रक्रिया को नुकसान पहुंच रहा है।

धनखड़ ने मध्यस्थता मामलों में विशेषज्ञों की आवश्यकता पर भी बल दिया और कहा कि वाणिज्यिक विवादों से जुड़े जटिल मामलों को निपटाने में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

यहां मध्यस्थता पर एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए धनखड़ ने अनुच्छेद 136 के उपयोग एवं मध्यस्थता प्रक्रिया पर इसके प्रभाव की ओर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा, ''अनुच्छेद-136 के तहत हस्तक्षेप को संकीर्ण माना गया था। कुल मिलाकर इसमें सब शामिल हैं कि मजिस्ट्रेट को क्या करना है, सत्र न्यायाधीश को क्या करना है, जिला न्यायाधीश को क्या करना है, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को क्या करना है।''संविधान का अनुच्छेद 136 उच्चतम न्यायालय को किसी भी निर्णय या आदेश के विरुद्ध अपील करने के लिए ''विशेष अनुमति'' प्रदान करने की अनुमति देता है। इसे विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) कहा जाता है।

भारत जवाबी शुल्क कटौती करके अमेरिकी शुल्क खतरे का लाभ उठा सकता है: पनगढ़िया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने शनिवार को कहा कि अमेरिका से जवाबी शुल्क के खतरे को सकारात्मक रूप में बदला जा सकता है। उन्होंने कहा कि अगर भारत इसका लाभ उठाकर अमेरिका को जवाबी शुल्क कटौती के लिए तैयार कर ले, तो ऐसा किया जा सकता है। उन्होंने हालांकि आगाह किया कि अगर इसका नतीजा शुल्क युद्ध के रूप में सामने आता है, तो इसका दुर्भाग्यपूर्ण परिणाम होगा। शुल्क युद्ध एक ऐसी स्थिति होगी, जहां अमेरिका भारत पर शुल्क लगाएगा और भारत शुल्क बढ़ाकर जवाबी कार्रवाई करेगा।

पनगढ़िया ने कहा, ''हमारे पास सबके फायदे वाली सौदेबाजी करने का बहुत अच्छा अवसर है। इसलिए हम वास्तव में इसे सबकी जीत वाली स्थिति में बदल सकते हैं। अब जब पारस्परिक शुल्क का खतरा आ रहा है, तो फायदेमंद यह होगा कि हम इस प्रक्रिया में अमेरिका को भी जवाबी शुल्क कटौती के लिए बाध्य करें।'' उन्होंने कहा कि ऐसा करके हम अमेरिकी बाजार तक बेहतर पहुंच हासिल कर सकते हैं। पनगढ़िया इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि अगले 3-4 वर्षों में अमेरिकी शुल्क अस्थिरता का भारत पर क्या प्रभाव पड़ेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई बार कहा है कि अमेरिका भारत के खिलाफ जवाबी शुल्क लगाएगा।

फरवरी में जीएसटी संग्रह 9.1 प्रतिशत बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रुपए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सकल जीएसटी संग्रह फरवरी 2025 में सालाना आधार पर 9.1 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.84 लाख करोड़ रुपए हो गया। आधिकारिक आंकड़ों में शनिवार को यह जानकारी दी गई। सकल जीएसटी संग्रह एक साल पहले इसी अवधि में 1.68 लाख करोड़ रुपए और जनवरी 2025 में 1.96 लाख करोड़ रुपए था।

विशेषज्ञों का कहना है कि इससे घरेलू खपत से बढ़ावा मिलने और आर्थिक पुनरुद्धार का संकेत मिलता है। इस दौरान सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह के तहत घरेलू राजस्व 10.2 प्रतिशत बढ़कर 1.42 लाख करोड़ रुपए रहा। आयात राजस्व 5.4 प्रतिशत बढ़कर 41,702 करोड़ रुपए हो गया। आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन महीने में केंद्रीय जीएसटी से 35,204 करोड़ रुपए, राज्य जीएसटी से 43,704 करोड़ रुपए, एकीकृत जीएसटी से 90,870 करोड़ रुपए और मुआवजा उपकर से 13,868 करोड़ रुपए का संग्रह हुआ। फरवरी के दौरान कुल 20,889 करोड़ रुपए के रिफंड जारी किए गए, जो सालाना आधार पर 17.3 प्रतिशत अधिक है। फरवरी 2025 में शुद्ध जीएसटी संग्रह 8.1 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.63 लाख करोड़ रुपए रहा।

एक साल पहले इसी महीने में शुद्ध जीएसटी संग्रह 1.50 लाख करोड़ रुपए था।

जम्मू-कश्मीर के लोगों से किये गये सभी वादे पूरे किए जाएंगे: अब्दुल्ला

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार लोगों से किये गये सभी वादों को पूरा करेगी। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर कथित तौर पर छाया मंत्रिमंडल (शैडो कैबिनेट) गठित करने की आलोचना करते हुए कहा कि भारत में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। उन्होंने कहा, ''हमारे देश में सिर्फ एक ही मंत्रिमंडल है। कोई 'छाया मंत्रिमंडल' नहीं है। अब तक यहां भाजपा ने राज किया है। अब जनता की सरकार अपना काम करेगी।''

अब्दुल्ला ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''छाया (मंत्रिमंडल) की कोई जरूरत नहीं है। हमने लोगों से उनकी उम्मीदों को पूरा करने का वादा किया है और हम अपने वादों पर कायम हैं।'' मुख्यमंत्री ने गुलाम सिब्तैन मसूदी के निवास पर जाकर अपनी संवेदना व्यक्त की, जिनका इस सप्ताह की शुरुआत में निधन हो गया था। मसूदी नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक हसनैन मसूदी के भाई और हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक के ससुर थे।

उत्तराखंड हिमस्खलन: बचाए गए 50 मजदूरों में से चार की मौत, पांच मजदूरों की तलाश जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के चमोली जिले के माणा गांव में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के शिविर में हिमस्खलन के कारण बर्फ के नीचे दबे 50 श्रमिकों को बाहर निकाल लिया गया है, लेकिन उनमें से चार श्रमिकों की शनिवार को मौत हो गई। बचाव दल शेष पांच श्रमिकों को बचाने के लिए कड़ी मशक्कत कर रहा है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

सेना के अनुसार, शुक्रवार सुबह 5:30 से छह बजे के बीच माणा और बद्रीनाथ के बीच बीआरओ शिविर के पास हिमस्खलन हुआ, जिससे आठ कंटेनर और एक शेड के अंदर 55 श्रमिक दब गए। शुक्रवार रात तक 33 लोगों को बचा लिया गया। शुक्रवार को बारिश और बर्फबारी के कारण बचाव कार्य में बाधा उत्पन्न हुई और रात होने के कारण अभियान स्थगित कर दिया गया था।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी एन के जोशी ने बताया कि मौसम साफ होने पर माणा में तैनात सेना और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के जवानों ने सुबह बचाव अभियान फिर से शुरू किया। सेना के एक प्रवक्ता ने बताया कि बचाव अभियान में छह हेलीकॉप्टर लगे हुए हैं। इनमें तीन भारतीय थल सेना के, दो भारतीय वायुसेना के और एक सेना द्वारा किराए पर लिया गया असैन्य हेलीकॉप्टर शामिल है। सेना के प्रवक्ता ने कहा, ''50 मजदूरों को बचा लिया गया है, जिनमें से दुर्भाग्यवश चार घायलों की मौत की पुष्टि हो गई है, जबकि शेष पांच की तलाश जारी है।'' उन्होंने कहा कि घायलों को प्राथमिकता के आधार पर निकाला जा रहा है।

निफ्टी का मूल्यांकन अच्छा और उचित, बाजार में कुछ छोटे सुधार संभव : गोयल

मुंबई/भाषा। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि 50 शेयरों वाले सूचकांक एनएसई निफ्टी का मूल्यांकन अच्छा और उचित है। बीते सप्ताह शेयर बाजारों में हुई तेज बिकवाली के बाद, वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने कहा कि भारतीय बाजारों में कुछ और सुधार हो सकता है। उन्होंने कहा कि 19 का पीई अनुपात निफ्टी के मूल्यांकन को अच्छा और उचित बनाता है। म्यूचुअल फंड उद्योग के निकाय एम्फी के एक कार्यक्रम में गोयल ने कहा कि निफ्टी के कुछ शेयरों में थोड़ी गिरावट हो सकती है, लेकिन कुल मिलाकर निफ्टी अभी भी अच्छे मूल्यांकन को दर्शाता है। उन्होंने कहा, ''सबसे तेजी से बढ़ने वाले विकासशील देश के लिए 19 के पीई अनुपात पर मौजूदा मूल्यांकन उचित है। हालांकि, यहां कुछ छोटे सुधार अभी भी हो सकते हैं।'' गोयल ने कहा कि बाजार में मौजूदा गिरावट उन लोगों के लिए चेतावनी है, जिन्होंने छोटे निवेशकों को सही सलाह नहीं दी है। उन्होंने एम्फी से ऐसे लोगों को अलग-थलग करने की सलाह दी। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि म्यूचुअल फंड को अपनी जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता नहीं छोड़नी चाहिए।

सरकारी संपत्ति में तोड़फोड़ करने वालों को बख्शेंगे नहीं : पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने पुणे में रोडवेज की बस के अंदर 26 वर्षीय महिला से कथित बलात्कार के बाद सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ शनिवार को कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी।

पीड़िता से मंगलवार तड़के शहर के मध्य में स्थित स्वारगेट बस अड्डे पर खड़ी महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम की एक बस के अंदर कथित तौर पर बलात्कार किया गया। अगले दिन शिवसेना (उबाठा) के स्थानीय नेता वसंत मोरे और उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने घटना के विरोध में स्वारगेट बस डिपो के सुरक्षा केबिन में तोड़फोड़ की। यहां पवार ने कहा कि सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, ''जांच पूरी होने दीजिए और तथ्य सामने आने दीजिए। उसके बाद सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। अगर आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया जाता है तो क्या कोई घर की खिड़की के शीशे तोड़ता है?'' उन्होंने कहा, ''यहां तक कि अदालत ने भी पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि अगर कोई सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाता है तो नुकसान की भरपाई पार्टी कार्यकर्ताओं या पार्टी से की जानी चाहिए।'' पवार ने कहा कि हालांकि ऐसी घटनाओं के बाद गुस्सा आना स्वाभाविक है, लेकिन उस गुस्से को व्यक्त करने के अन्य तरीके भी हैं।

मनन कुमार मिश्रा लगातार सातवीं बार चुने गए बीसीआई अध्यक्ष

नई दिल्ली/भाषा। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं राज्यसभा सदस्य मनन कुमार मिश्रा को लगातार सातवीं बार भारतीय विधिज्ञ परिषद (बीसीआई) का अध्यक्ष चुना गया है। बीसीआई के प्रधान सचिव श्रीमंतो सेन ने एक बयान में कहा कि भारत की कानूनी बिरादरी के निर्वाचित प्रतिनिधियों ने मनन कुमार मिश्रा को ऐतिहासिक रूप से लगातार सातवीं बार भारतीय विधिज्ञ परिषद के अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध निर्वाचित कर एक बार फिर उनके नेतृत्व में अपना भरोसा जताया है। इसमें कहा गया कि निर्विरोध निर्वाचित अध्यक्ष के नेतृत्व में कार्यकारिणी समिति के सदस्यों का चयन किया जाएगा।

उपाध्यक्ष पद के लिए रविवार को चुनाव होगा जिसमें तमिलनाडु एवं पुडुचेरी के एस प्रभाकरन और दिल्ली के वेदप्रकाश शर्मा उम्मीदवार हैं।

तुहिन कांत पांडेय ने सेबी चेयरमैन का कार्यभार संभाला, पारदर्शिता का वादा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। वरिष्ठ नौकरशाह तुहिन कांत पांडेय ने शनिवार को पूंजी बाजार नियामक सेबी के 11वें चेयरमैन के रूप में कार्यभार संभाल लिया। इस मौके पर उन्होंने पारदर्शिता और 'टीम-वर्क' पर ध्यान केंद्रित करने का वादा किया। अब तक वित्त सचिव के रूप में कार्य कर रहे पांडेय ने सेबी को एक ऐसा 'मजबूत बाजार संस्थान' बताया, जिसे वर्षों से विभिन्न दिग्गजों ने आकार दिया है।

अपने कार्य-एजेंडे या कार्यशैली के बारे में बताने से इनकार करते हुए माधबी पुरी बुच के उत्तराधिकारी ने कहा कि वह किसी पर टिप्पणी नहीं करेंगे। बुच पर उनके कार्यकाल के अंतिम कुछ महीनों में अनियमितताओं के कई आरोप लगे थे। बुच पांडेय के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) व्यावसायिक जिले में सेबी मुख्यालय पहुंचने पर मौजूद नहीं थीं। बताया जाता है कि वह अस्वस्थ हैं और उन्हें कोविड संक्रमण है। पांडेय को बृहस्पतिवार को सरकार ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) का चेयरमैन नियुक्त किया। पांडेय (59) ने संवाददाताओं से कहा, सेबी एक बहुत मजबूत बाजार संस्था है। इसे वर्षों से लगातार अग्रणी लोगों के साथ बनाया गया है और यह प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी।

नए चेयरमैन ने अपने उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए चार टी- विश्वास (ट्रस्ट), पारदर्शिता (ट्रांसपेरेंसी), टीमवर्क और प्रौद्योगिकी (टेक्नोलॉजी) को अपने मुख्य ध्यान वाले क्षेत्रों के रूप में बताया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि ये चार तत्व हमें (सेबी) विशिष्ट बनाते हैं, और हम दुनिया में सबसे अच्छे बाजार संस्थानों में से एक बनाना जारी रखेंगे। पिछले कुछ महीनों में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) में कुछ गतिविधियां देखने को मिली हैं, जहां इसके कर्मचारियों के एक बड़े वर्ग ने प्रबंधन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया है।

सेबी के सभी चार पूर्णकालिक सदस्यों- अश्विनी भाटिया, अमरजीत सिंह, अनंत नारायण और कमलेश वार्ष्णेय ने सेबी मुख्यालय में पांडेय का स्वागत किया।

मोदी 56 इंच का सीना होने का दावा करते हैं, लेकिन एफ-35 विमान से जुड़ी घोषणा पर चुप रहे थे : ओवैसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 56 इंच का सीना होने का दावा करते हैं, लेकिन भारत को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एकपक्षीय घोषणा पर चुप्पी साध लेते हैं।

पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर यहां एआईएमआईएम मुख्यालय में एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर समाजवादी पार्टी (सपा) नेताओं के खिलाफ उनकी (मुख्यमंत्री की) टिप्पणी को लेकर निशाना साधा।

आदित्यनाथ ने कहा था कि सपा नेता अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में भेजते हैं, लेकिन चाहते हैं कि दूसरों के बच्चे उर्दू सीखें और ''मौलवी'' बनें।

हाल ही में अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की ट्रंप के साथ हुई मुलाकात का जिक्र करते हुए ओवैसी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि 'हम नरेंद्र मोदी को एफ-35 बेचेंगे।' उन्होंने कहा, ''वह (ट्रंप) फैसला करेंगे या हम तय करेंगे? हमारे प्रधानमंत्री, जो 56 इंच का सीना होने का दावा करते हैं, वहां चुप थे। हमारे बारे में फैसला करने वाले ट्रंप कौन होते हैं? श्रीमान मोदी। हम तय करेंगे कि हमें एफ-35 चाहिए, यूरोपीय लड़ाकू विमान चाहिए या क्या चाहिए...आपने वहां उनकी बात कैसे सुनी?'' उप्र के मुख्यमंत्री पर कटाक्ष करते हुए ओवैसी ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा इस देश को 'एक भाषा, एक धर्म, एक विचारधारा और एक नेता' के अनुसार बनाना चाहती है।

हम मैसूरु में एक विश्व स्तरीय फिल्म सिटी बनाएंगे : मुख्यमंत्री की घोषणा

16वें बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। हम मैसूरु में एक विश्व स्तरीय फिल्म सिटी का निर्माण करेंगे। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने घोषणा की कि इसके लिए 150 एकड़ भूमि पहले ही आवंटित कर दी गई है। वह विधान सौधा की ऐतिहासिक सीढ़ियों पर आयोजित 16वें बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। एक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव विश्व समुदाय की संस्कृति का प्रतिबिंब होता है। उन्होंने लोगों से इसका अच्छा उपयोग करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक अपने आप में एक विश्व है। यहां सभी अवसर सृजित किये जा सकते हैं। इसके लिए हम मैसूर में विश्वस्तरीय, उच्च गुणवत्ता वाली फिल्म सिटी का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यहां विश्व स्तरीय गुणवत्ता वाली फिल्में बनाई जानी चाहिए, जिनमें प्रौद्योगिकी को मानवीय मूल्यों के साथ जोड़ा गया हो।

जैसे-जैसे हम अधीर होते जा रहे हैं, समाज में अप्रसन्नता बढ़ती जा रही है। धन का असमान वितरण इस दुःख का कारण है। देश की 50 प्रतिशत संपत्ति देश के 17 लोगों के हाथों में केंद्रित है। धन का यह अत्यंत असमान वितरण समाज में अप्रसन्नता बढ़ा रहा है। एक कला माध्यम के रूप में सिनेमा को इसका समाधान खोजना होगा। उन्होंने कहा कि कला के माध्यम से समाज को एकजुट किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. राजकुमार की फिल्मों में जो मूल्य और गरिमा थी, वह आज की फिल्मों में देखने को नहीं मिलती। राजकुमार की फिल्में सद्भाव और मानवीय मूल्यों से परिपूर्ण थीं। उन्होंने बताया कि इसीलिए सभी को उनकी फिल्में पसंद आती हैं।

बकवास फैलाने वाली और संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ जाने वाली फिल्में समाज के लिए अच्छी नहीं हैं। बसवन्ना ने कर्म के सिद्धांत को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि सिनेमा को फिर से बकवास फैलाने का सहारा नहीं लेना चाहिए। अब प्रौद्योगिकी कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक उन्नत हो गई है। उन्होंने कहा कि जब ऐसी फिल्में आएंगी जो हमारे जीवन को प्रतिबिंबित करेंगी और हमारी समस्याओं का समाधान खोजेंगी, तो ऐसी फिल्में समाज में हमेशा के लिए बनी रहेंगी।

कांग्रेस नेता सुरेश ने केंद्र पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस नेता एवं पूर्व सांसद डी. के. सुरेश ने शनिवार को यहां कहा कि देश के लोगों को केंद्र सरकार के खिलाफ होने से पहले उसे राज्यों को करों का उचित अंतरण करना सीखना चाहिए। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के छोटे भाई सुरेश ने दक्षिणी राज्यों के नेताओं से अपने राजनीतिक मतभेदों को अलग रखने और केंद्र के कथित अन्याय के खिलाफ लड़ने के लिए एक साथ आने का आह्वान किया।

सुरेश ने संवाददाता सम्मेल में कहा, ''अगर राज्य और देश के लोग उनके खिलाफ हो गए तो केंद्र मुश्किल में पड़ जाएगा। उन्हें केंद्रीय करों में से हमारे हिस्से का भुगतान करना सीखना चाहिए।'' पूर्व सांसद ने कहा कि भारत गुजरात और उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं है और कश्मीर से कन्याकुमारी तक सभी को समान अधिकार प्राप्त हैं और इसलिए केंद्र को यह देखना चाहिए कि सभी को समान न्याय मिले।

उन्होंने केंद्र सरकार को भी आगाह करते हुए कहा, ''कर्नाटक को कमजोर करना ठीक नहीं है।'' सुरेश ने केंद्र पर देश की संघीय व्यवस्था को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, यदि आप एक मजबूत राष्ट्र बनाना चाहते हैं, तो आपको राज्यों को मजबूत करना होगा। मैंने यह कई बार कहा है कि देश को मजबूत करने के बजाय, हर स्तर पर कानूनों और नियमों के माध्यम से राज्यों को कमजोर किया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार अनुचित कर अंतरण के जरिए राज्य के विकास में बाधा डाल रही है। पूर्व सांसद ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक पहले ही पारित हो चुका है और इस वर्ष जनगणना कराए जाने की संभावना है। लोकसभा सीट के परिसीमन के बारे में सुरेश ने कहा कि वह पहले भी इस मुद्दे पर अपनी बात रख चुके हैं। उन्होंने कहा कि संसदीय सीटों का परिसीमन जनसंख्या के आधार पर तय किया जाएगा।

सुरेश ने आरोप लगाया, ''भाजपा उत्तर भारत के पक्ष में देश की पूरी व्यवस्था पर कब्जा करने की कोशिश कर रही है, जो उचित नहीं है।'' कांग्रेस नेता ने कहा, मैंने पहले भी आह्वान किया था। कम से कम अब कन्नड़ और दक्षिण भारतीयों को एक साथ आवाज उठानी चाहिए और हमारे लोकतांत्रिक अधिकारों को छीनने के लिए किए जा रहे सौतेले व्यवहार के खिलाफ एकजुट होकर लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें (दक्षिणी राज्यों को) एक साथ मिलकर इस पर विचार-विमर्श करना चाहिए। मैं सभी दलों के नेताओं से अपील करता हूं कि वे अपने राजनीतिक मतभेदों को अलग रखें और अपने अस्तित्व को बचाने के लिए काम करें। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा बहुमत के आधार पर कानून बनाना चाहती है और दक्षिणी राज्यों पर नियंत्रण करना चाहती है।

शॉपिंग का शानदार अनुभव दे रहा 'हाई लाइफ ज्वेल्स'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ज्वेलरी शो 'हाई लाइफ ज्वेल्स' में रौनक छाई हुई है। इसकी शुरुआत यहां 28 फरवरी को ताज वेस्ट एंड में हुई थी। यह 2 मार्च को भी जारी रहेगा। इसका समय सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक है।

इसके आयोजकों ने बताया कि हाई लाइफ ज्वेल्स बेंगलूरु में अपना विशेष शोकेस लेकर आया है। इस लग्जरी कार्यक्रम में शानदार आभूषणों का अद्भुत संग्रह प्रस्तुत किया जा रहा है। इसमें क्लासिक्स से लेकर समकालीन डिजाइन तक, हर आभूषण को परफेक्शन के साथ तैयार किया गया है। चाहे आप स्टेटमेंट ज्वेलरी की तलाश कर रहे हों या सूक्ष्म सुंदरता की, हाई लाइफ ज्वेल्स शानदार सेलेक्शन दे रहा है।

आयोजकों ने बताया कि हाई लाइफ शो फैशन और लक्जरी प्रदर्शनियों का पर्याय है, जो शॉपिंग का शानदार अनुभव देने के लिए जाना जाता है। इसका लेटेस्ट वेंचर हाई लाइफ ज्वेल्स एक शानदार शो है, जो 100 से ज्यादा प्रीमियम आभूषण ब्रांड्स को एक छत के नीचे लाता है। यह भव्य ब्राइडल ज्वेलरी और ओकेजन ज्वेलरी की शॉपिंग के लिए परफेक्ट जगह है। उन्होंने कहा कि कोई भी भारतीय शादी दुल्हन के गहनों और शृंगार के बिना पूरी नहीं होती। हाई लाइफ ज्वेल्स में टाइमलेस क्लासिक्स, एंटीक ज्वेलरी, पोल्की और कुंदन ज्वेलरी, समकालीन ज्वेलरी जैसी आभूषणों की समृद्ध शृंखला है, जो हर दुल्हन के दिल में जगह बनाएगी।

इसके अलावा ब्राइडल, गोल्ड, फुट वियर, बेड लिनन, नेल आर्ट, लहंगा, डायमंड, बैग और क्लच, फर्निशिंग, स्किन केयर, कस्टम मेड, सिल्वर, कमर बेल्ट, रग्स एंड कार्पेट, फेस केयर, कीमती स्टोन्स, हेयर एक्सेसरीज, फर्नीचर, बालों की देखभाल, डिजाइनर सूट, मिट्टी के बर्तन, हाथ से बने साबुन, पोशाक, पेंटिंग, सुगंध संग्रह, भित्ति चित्र, डिजाइनर साड़ी, मास्क, ब्लाउज, फॉर्मल वियर, ऑफिस वियर, दीया, कैजुअल, कैंडल्स, सेमी कैजुअल, स्टेशनरी, लाउंज, ट्राउसेउ पैकिंग, पार्टी वियर, गिफ्टिंग, मेन्स एथनिक वियर, किड्स वियर, शॉल और स्टोल आदि उपलब्ध हैं।

सद्गुरु के कार्यक्रम में शिवकुमार के शामिल होने के मुद्दे पर कांग्रेस नेता बंटे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार द्वारा महाशिवरात्रि के मौके पर तमिलनाडु में सद्गुरु जग्गी वासुदेव के ईशा योग केंद्र जाने पर उपजा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है और इस मुद्दे पर कांग्रेस की राज्य इकाई के नेता दो फाड़ हो गए हैं।

सहकारिता मंत्री के एन राजन्ना ने शिवकुमार द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना करने वाले लोगों के साथ मंच साझा करने को लेकर दी जा रही सफाई पर सवाल उठाया।

राजन ने हासन में संवाददाताओं से कहा, ''सद्गुरु ने खुद कहा था कि वह राहुल गांधी को नहीं जानते। ऐसा नहीं है क्या? वह (शिवकुमार) मुझसे बेहतर जानते हैं कि लोग लोकसभा में हमारे नेता राहुल गांधी के बारे में क्या बोलते हैं। उन्हें जवाब देना चाहिए कि ऐसे लोगों के साथ मंच साझा करना कितना उचित है।''

पूर्व सांसद डी. के. सुरेश ने अपने भाई (शिवकुमार) का समर्थन करते हुए कहा कि उन्होंने किसी भी कार्यक्रम में शामिल होने

से पहले हमेशा पार्टी को सूचित किया है। सुरेश ने यहां संवाददाताओं से कहा, शिवकुमार जब भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलते थे तो पार्टी आलाकमान को इसकी जानकारी देते थे। यहां तक कि उन्होंने ईशा फाउंडेशन के महाशिवरात्रि कार्यक्रम में शामिल होने की जानकारी भी आलाकमान को दी थी। उन्होंने कहा कि शिवकुमार का कार्यक्रम में आना गुप्त नहीं था।

सुरेश ने कहा कि सद्गुरु ने शिवकुमार को कोयंबटूर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया था, इसलिए उन्होंने निमंत्रण स्वीकार किया और इसमें शामिल हुए।

कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष शिवकुमार कोयंबटूर में बुधवार को आयोजित हुए भव्य समारोह में शामिल हुए थे और इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने इस मुद्दे पर अपना बचाव किया और अपनी गहरी आस्था पर जोर देते हुए कहा था, ''मैं हिंदू पैदा हुआ हूं और हिंदू ही मरूंगा।''

राज्य के लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने कहा कि पार्टी आलाकमान को इस मुद्दे पर ध्यान देना चाहिए, जो कर्नाटक से आगे बढ़कर अब राष्ट्रीय चिंता का विषय बन गया है।

मुकुल शरण माथुर ने दपरे के महाप्रबंधक का पदभार संभाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। मुकुल शरण माथुर ने शनिवार को दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण किया। वे 1988 बैच के भारतीय रेलवे यातायात अधिकारी हैं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से कानून की डिग्री और प्रबंधन विकास संस्थान, गुरुग्राम से बिजनेस मैनेजमेंट में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्राप्त किया है। वर्तमान कार्यभार संभालने से पहले वे वाणिज्य रेलवे बोर्ड में अतिरिक्त सदस्य थे।

उन्होंने अपने तीन दशक से ज्यादा के करियर में मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे, पूर्व तटीय रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे और रेलवे बोर्ड में विभिन्न पदों पर कार्य किया है। उन्होंने पीईडी/इंफ्रास्ट्रक्चर, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक/पश्चिम मध्य रेलवे, प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक, मंडल रेल प्रबंधक/वाल्टेयर, तथा कार्यकारी निदेशक/पीपीपी, रेलवे बोर्ड जैसे

महत्त्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। उन्होंने डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर प्रोजेक्ट सहित प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को संभाला है। हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट और बंदरगाह एवं माइन कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट पर भी काम किया है। साथ ही डिजिटल सॉल्यूशंस के जरिए यात्री अनुभव को बेहतर बनाने में भी योगदान दिया है। उनके कार्यों के लिए उन्हें साल 2005 में रेल मंत्री एमआर अवॉर्ड, साल 2018 में रेल मंत्री द्वारा चेंज एजेंट अवॉर्ड और साल 2019 में लीडरशिप एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है।

केनरा बैंक की कडाबगेरे क्रॉस की नई शाखा शुरु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां के मागड़ी रोड स्थित कडाबागेरे क्रॉस पर केनरा बैंक की नई शाखा का उद्घाटन बैंक के बेंगलूरु मंडल कार्यालय के प्रमुख और महाप्रबंधक महेश एम पई ने किया। केनरा बैंक एक अग्रणी बैंक है जो अपनी उत्कृष्ट सेवा सुविधाओं के माध्यम से देश के सभी वर्गों के ग्राहकों को आकर्षित करता है। उन्होंने कडाबगेरे गांव के आसपास के लोगों से बैंक की विविध सुविधाओं का अच्छा उपयोग करने और देश की आर्थिक प्रगति में भागीदार बनने की अपील की।

मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए कदबागेरे गांव के विद्या संस्कार विद्या संस्था के संस्थापक श्यामसुंदर ने कहा कि बैंक एक सार्वजनिक संस्था है और शहर, राज्य और देश का विकास तभी संभव है जब हम सभी ग्राहक बैंकों की सेवाओं का सही तरीके से उपयोग करें। इस अवसर पर उप महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय कार्यालय प्रमुख श्रीमती मुथुलक्ष्मी पी, तथा सहायक महाप्रबंधक कैलास ने भी अपने विचार रखे। केनरा बैंक की कडाबगेरे क्रॉस शाखा के प्रबंधक एम. गिरियप्पा ने सभा का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन सर्कल कार्यालय के सामान्य प्रशासन अनुभाग के इंजीनियर श्रीकांत पात्रेमारा ने किया। बैठक में भाग लेने वाले सभी ग्राहकों को ग्रीन कार्ड प्रदान करके 'स्वच्छ पर्यावरण' के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को बढ़ावा दिया गया।

नंदी रथ

शनिवार को राजभवन में राधा सुरभि गो मंदिर और राष्ट्रीय गो सेवा प्रतिष्ठान द्वारा राज्य भर में गौ सेवा गतिविधि के लिए आयोजित नंदीरथ यात्रा पहुंची। कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने नंदी रथ का स्वागत किया और विशेष पूजा की।

'आईसीएआर-आईआईएचआर को डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा मिलेगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने घोषणा की कि वह जल्द ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-आईआईएचआर), हेसरघट्टा को डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा देने पर चर्चा करेंगे। आईसीएआर-आईआईएचआर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय बागवानी मेला 2025 के समापन समारोह में बोलते हुए कुमारस्वामी ने कृषि अनुसंधान में संस्थागत समर्थन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि वे इस मामले पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से चर्चा करेंगे।

उन्होंने कहा, केंद्र सरकार का लक्ष्य कृषि में आत्मनिर्भरता हासिल करना है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 और आत्मनिर्भर भारत विजन के तहत एक प्रमुख लक्ष्य है। इस प्रतिबद्धता के तहत, 2025-26 के केंद्रीय बजट में कृषि के लिए 1,52,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। कृषि अनुसंधान और तकनीकी उन्नति पर सरकार के फोकस को रेखांकित करते हुए कुमारस्वामी ने कहा, अनुसंधान संस्थानों को मजबूत करना महत्वपूर्ण है और इस पहल के हिस्से के रूप में, हम आईसीएआर-आईआईएचआर को मानद विश्वविद्यालय का दर्जा देने के

लिए कदम उठाएंगे।

उन्होंने आगे बताया, मैंने कर्नाटक में किसानों के कल्याण पर चर्चा करने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से कई बार मुलाकात की है। केंद्र सरकार ने कई सब्सिडी योजनाएं शुरू की हैं, जिनका युवा किसानों को लाभ उठाना चाहिए। भारतीय कृषि उत्पादों की वैश्विक मांग बहुत अधिक है और ग्रामीण युवाओं को शहरों की ओर पलायन करने के बजाय अपने गांवों में ही अवसर तलाशने चाहिए। आधा एकड़ जमीन से भी किसान लाखों रुपए कमा सकते हैं।

कुमारस्वामी ने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि मैं गारंटी योजनाओं के खिलाफ नहीं हूं, लेकिन उन्हें कृषि की उपेक्षा की कीमत पर नहीं आना चाहिए, जो ग्रामीण भारत की जीवन रेखा है। कर्नाटक के लोगों ने कठिन समय में भी करों का योगदान दिया है। वर्तमान में, राज्य सरकार गारंटी योजनाओं पर सालाना 52,000 करोड़ रुपये खर्च करती है। अगर सिर्फ एक साल की गारंटी निधि को कृषि और बागवानी में निवेश किया जाता है, तो यह इन क्षेत्रों को बदल सकता है, जिससे कर्नाटक पूरे देश के लिए एक मॉडल बन सकता है।

उन्होंने आग्रह किया, केवल गारंटी योजनाओं से किसानों का जीवन नहीं सुधरेगा। हालांकि, उचित समर्थन और बाजार पहुंच के साथ कृषि और बागवानी को सशक्त बनाना सौ गारंटी प्रदान करने से कहीं अधिक फायदेमंद होगा। सरकार को दीर्घकालिक समाधानों के बारे में सोचना चाहिए जो किसानों की आजीविका को स्थायी रूप से बेहतर बनाएंगे। उन्होंने खेती में विविधीकरण के महत्व पर जोर देते हुए कहा, किसानों को बेहतर आय के लिए कई फसलों की खेती करनी चाहिए। अधिकारियों और विशेषज्ञों को सही मार्गदर्शन प्रदान करना चाहिए। युवा किसानों को ऐसे संस्थानों में लाया जाना चाहिए और आधुनिक बागवानी पद्धतियों को समझने के लिए कम से कम पंद्रह दिनों का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। उन्हें तकनीकी उन्नति, वैश्विक कृषि प्रवृत्तियों और न्यूनतम लागत पर उच्च उपज तकनीक के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान कुमारस्वामी ने बागवानी में योगदान के लिए प्रगतिशील किसानों को सम्मानित भी किया। समारोह में सांसद डॉ. सीएन मंजूनाथ, कर्नाटक कृषि मूल्य आयोग के अध्यक्ष डॉ. अशोक दलवई, कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. मेजर सिंह, कर्नाटक कृषि आयुक्त वाईएस पाटिल, कर्नाटक बागवानी निदेशक डीएस रमेश, राष्ट्रीय बागवानी मेला आयोजन सचिव डॉ. शंकर हेब्बार और आईसीएआर-आईआईएचआर के निदेशक डॉ. तुसार कांति बेहरा उपस्थित थे।

शिक्षा कोई व्यवसाय नहीं है सरकार को समझना चाहिए : आर. अशोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। सरकार द्वारा विश्वविद्यालयों को बंद कर दिया गया है क्योंकि वे लाभ नहीं कमा रहे हैं। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार भीख मांगने की स्थिति में पहुंच गई है।

मंड्या में एक विरोध प्रदर्शन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि मंड्या जिला शिक्षा के मामले में पिछड़ रहा है। इसके लिए भाजपा सरकार ने 9 नए विश्वविद्यालय दिए हैं। लेकिन कांग्रेस सरकार ने इसे छीन लिया है। विश्वविद्यालयों को बंद करने के लिए तैयार की गई रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि विश्वविद्यालय लाभदायक नहीं हैं। सरकार का उद्देश्य क्या शैक्षणिक संस्थानों से भी राजस्व अर्जित करना है। आज के समय में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार भीख मांग रहे हैं। इस बार 1 लाख करोड़ रु. ऋण दिया गया है। उन्होंने शिकायत की कि सिद्दरामय्या ने सभी पूर्व मुख्यमंत्रियों की तुलना में सबसे अधिक कर्ज लिया है।

उन्होंने कहा कि यदि किसी जिले में विश्वविद्यालय है तो वह जिला शिक्षा में आत्मनिर्भर हो जाता है। शिक्षा कोई व्यवसाय नहीं है, यह हमारे देश की संपत्ति है। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि बंद बार खोले जा रहे हैं और विश्वविद्यालय बंद किये जा रहे हैं।

यदि हम विश्वविद्यालय बंद कर देंगे तो गारंटी का कोई मूल्य नहीं रहेगा। भाजपा सरकार ने जब विश्वविद्यालय बनाए तो नए पद सृजित नहीं किए। उन्होंने कहा कि मौजूदा स्टाफ की नियुक्ति कर दी गई है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि विश्वविद्यालय बंद करने से लाभ होगा या हानि। सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि इससे बच्चों को क्या नुकसान होगा। जिस तरह वे पानी के लिए लड़ते हैं, उसी तरह मंड्या के लोग शिक्षा के लिए लड़ेंगे। यदि सरकार के पास पैसा नहीं है तो उसे सीधे तौर पर कह देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर पैसा जुटाएंगे और विश्वविद्यालय चलाएंगे।

गारंटी देने में असमर्थ सरकार ने विश्वविद्यालयों को बंद कर दिया है। विश्वविद्यालयों की शुरुआत इसलिए की गई ताकि मंड्या और चामराजनगर जैसे जिले शिक्षा के क्षेत्र में शीर्ष पर पहुंच सकें। अब वे एक ही स्थान पर विश्वविद्यालय बंद कर सकते हैं और बार खोल सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उसका उद्देश्य शिक्षा देना है या शराब बांटना।

ब्यावर में नाबालिगों के शोषण के मामले में अजमेर के बाजार बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ब्यावर जिले के बिजयनगर थाना क्षेत्र में मुस्लिम आरोपियों द्वारा पांच नाबालिग हिंदू लड़कियों के यौन शोषण मामले के विरोध में शनिवार को अजमेर में हिंदू संगठनों द्वारा एक विशाल विरोध रैली निकाली गई और मामले की सीबीआई जांच की मांग की गई। संगठनों के आह्वान पर शनिवार को अजमेर में बाजार बंद रहे और अजमेर कलेक्ट्रेट के सामने धरना दिया गया। रैली और धरने में अजमेर दक्षिण से भाजपा विधायक अनीता भदेल, अजमेर नगर निगम के उप महापौर नीरज जैन, विहिप और अन्य हिंदू संगठनों के कई नेता, बाजार संघ शामिल हुए।

उन्होंने आरोप लगाया कि नाबालिग लड़कियों का यौन शोषण किया गया और आरोपियों ने पीड़ितों का जबरन धर्म परिवर्तन करने का प्रयास किया। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की और सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। संगठनों की ओर से गांधी भवन से कलेक्ट्रेट तक आक्रोश रैली निकाली गई, जहां धरना आयोजित किया गया। कुछ प्रदर्शनकारी कलेक्ट्रेट के बाहर लगाए गए बैरिकेड्स पर भी चढ़ गए।

प्रदर्शन के दौरान कुछ स्थानों पर टेम्पो के टायरों की हवा निकाली गई तथा यात्रियों को वाहनों से उतार दिया गया। सकल हिन्दू समाज की ओर से कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भी दिया गया। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि एक समुदाय विशेष के आरोपियों ने नाबालिग हिन्दू लड़कियों को फंसाया, उनका यौन शोषण किया, ब्लैकमेल किया तथा उनका धर्म परिवर्तन कराने का प्रयास किया। ज्ञापन में कहा गया कि आरोपियों ने शहर के एक कैफे के केबिन में न केवल छात्राओं का यौन शोषण किया, बल्कि उन्हें धर्म परिवर्तन के लिए ब्लैकमेल भी किया। यदि पीड़िताएं धार्मिक क्रियाकलाप नहीं करती थीं, तो उन्हें प्रताड़ित किया जाता था।

इस ब्लैकमेलिंग मामले में यह भी सामने आया है कि एक समुदाय विशेष के युवकों ने 'लव जिहाद' के नाम पर गिरोह बनाकर स्कूली छात्राओं को साजिश का शिकार बनाया। पहले उन्हें मोबाइल फोन का लालच देकर प्रेम जाल में फंसाया गया। अजमेर नगर निगम के उप महापौर नीरज जैन ने कहा कि लड़कियों को ब्लैकमेल किया गया तथा मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया।आरोपी ने उन पर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया। उन्होंने कहा कि धार्मिक गतिविधियां करने से मना करने पर उनके परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी भी दी गई।

जैन ने कहा कि मामले की सीबीआई जांच होनी चाहिए और सभी आरोपियों के मोबाइल फोन की गहन जांच होनी चाहिए, ताकि पता चल सके कि और कितने पीड़ित हैं। उन्होंने दावा किया कि शहर में कैफे और रेस्टोरेंट की आड़ में चल रहे हुक्का बार ऐसी अवैध और अनैतिक गतिविधियों के केंद्र हैं और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

जैन ने यह भी मांग की कि अजमेर जिले में चल रहे मदरसों और उनके पंजीकरण की भी जांच होनी चाहिए। इस सनसनीखेज अपराध के लिए कुल 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और तीन नाबालिगों को हिरासत में लिया गया है। पीड़ितों नाबालिग लडकियों के परिजनों की ओर से मिली शिकायतों पर 16 फरवरी को तीन प्राथमिकी दर्ज की गई थीं। पुलिस जांच अधिकारी शेर सिंह ने बताया कि गिरफ्तार दस आरोपियों में आठ मुस्लिम और दो कैफे संचालक हिंदू हैं। हिरासत में लिए गए तीन नाबालिग आरोपी भी मुस्लिम हैं। ये मामले ब्यावर के बिजयनगर थाने में दर्ज किए गए हैं।

बिजयनगर पूर्व कांग्रेस सरकार द्वारा 2023 में नया जिला बनाए जाने से पहले अजमेर जिले का हिस्सा था। पुलिस के अनुसार यह मामला तब प्रकाश में आया जब एक नाबालिग लडकी के पिता के पर्स में से 2,000 रुपये गायब हो गए और लडकी के पास से एक चीनी मोबाइल फोन बरामद हुआ। घटना के बाद, आरोपी के परिवारों और स्थानीय जामा मस्जिद को बिजयनगर नगर पालिका से अतिक्रमण नोटिस मिले और कुछ अतिक्रमण ध्वस्त कर दिए गए।

खाटू श्यामजी के लिए विशेष रेलगाड़ी 7 से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा खाटू श्याम जी मेला के यात्रियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए श्रीगंगानगर–मदार (अजमेर) मेला विशेष रेलगाड़ी चलाई जाएगी। उत्तर–पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण ने शनिवार को बताया कि गाड़ी संख्या 04719, श्रीगंगानगर– मदार (अजमेर) मेला विशेष रेलसेवा श्रीगंगानगर से सात मार्च को अपराह्न तीन बजकर 35 मिनट पर रवाना होकर अगले दिन 06.40 बजे मदार पहुँचेगी। उन्होंने बताया कि यह गाड़ी मार्ग में सादुलशहर, हनुमानगढ़, हनुमानगढ़ टाउन, टीबी, तलवाड़ा झील, ऐलनाबाद, खिनानिया, नोहर, गोगामेड़ी, तहसील भादरा, अनूपशहर, सिद्धमुख, सादुलपुर, लोहारू, सूरजगढ़, चिड़ावा, झुंझुनू, डूडलोद, मुकन्दगढ़, नवलगढ़, सीकर, पलसाना, रींगस, रेनवाल, फुलेरा एवं किशनगढ़ स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलगाड़ी में 10 द्वितीय शयनयान, चार साधारण श्रेणी और दो गार्ड डिब्बों सहित कुल 16 डिब्बे होंगे।

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजनाः 7 को रवाना होगी विशेष रेलगाड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। देवस्थान विभाग की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत सात मार्च को विशेष रेलगाड़ी उदयपुर और डूंगरपुर स्टेशन से रवाना होगी। इस बार यात्रियों को तीन की बजाय पांच तीर्थ स्थलों के दर्शन का अवसर मिलेगा। हरिद्वार, ऋषिकेश और अयोध्या के अलावा वाराणसी–सारनाथ भी यात्रा में शामिल किये गये हैं। यात्रा छह दिन की होगी। विभाग के सहायक आयुक्त जतिन गांधी ने शनिवार को यहां बताया कि अब तक इस योजना में तीन धर्म स्थलों के दर्शन करवाये जाते थे, लेकिन कई यात्री पहले ही अयोध्या की यात्रा कर चुके हैं, इसलिए इस बार काशी विश्वनाथ और सारनाथ को भी जोड़ा गया है।

विपक्ष के पास मुद्दे नहीं, इसलिए डाल रहे काम में गतिरोध : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के रवैये की निंदा करते हुए कहा है कि जब विपक्ष के पास में कहीं कोई मुद्दा एवं कोई विषय चर्चा करने के लिए शेष नहीं होते, तब वह इस तरह के आधारविहीन विषयों को लेकर टिप्पणियां करते हैं और काम में गतिरोध डालते हैं एवं काम नहीं होने देते हैं। शेखावत शनिवार को यहां अपने निवास पर पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में यह बात कही। विधानसभा में पक्ष–विपक्ष के बीच गतिरोध से जुड़े सवाल पर शेखावत ने कहा कि निश्चित रूप से यह निंदनीय है। लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में इस तरह की बातों की कहीं कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने कहा मैं यह मानता हूं कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में मर्यादा का पालन करना सभी की जिम्मेदारी है। न वहां कोई पक्ष का विषय, न कोई अपक्ष का विषय और न कोई विपक्ष का विषय है। सभी लोगों को अपनी लोकतांत्रिक मर्यादाओं का सम्मान करते हुए उस पर कार्यवाही करना चाहिए। हालांकि, राजस्थान के परिपेक्ष में या मैं लोकसभा के दृष्टिकोण से देखता हूं, मुझे लगता है कि जब विपक्ष के पास में कहीं कोई मुद्दे शेष नहीं रह जाते और कोई विषय जब उनके पास में चर्चा करने के लिए शेष नहीं होते, तब वह इस तरह के आधारविहीन विषयों को लेकर इस तरह से टिप्पणियां करते हैं, काम में गतिरोध करते हैं, काम न होने देते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता अनेक अपेक्षाओं के साथ अपना जनप्रतिनिधि चुनकर भेजती है कि वो सदन में जाकर अपने क्षेत्र से जुड़े हुए विषयों और समाज से जुड़े विषयों पर चर्चा करेंगे, स्वस्थ चर्चा करेंगे, लेकिन जब चर्चाएं इस तरह की राजनीति की भेंट चढ़ती हैं, राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की भेंट चढ़ती हैं तो उसका दुःख निश्चित रूप से मतदाता को होता है।

शेखावत ने कहा कि एक जनप्रतिनिधि के नाते, मुझे लगता है कि चाहें हम किसी भी पाले में खड़े हों, जैसा मैंने कहा– पक्ष, अपक्ष और विपक्ष चाहे किसी भी पाले में खड़े हों, एक जनप्रतिनिधि के नाते, हमारे मतदाताओं के प्रति जो भाव होना चाहिए, जो जिम्मेदारी होनी चाहिए, हम उस जिम्मेदारी को पूरा करने के दृष्टिकोण से सोचते हुए काम करें।

एलिवेटेड रोड से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि एलिवेटेड रोड का टेंडर डॉक्यूमेंट हो गया है और टेंडर प्रक्रिया चल रही है। बहुत जल्दी उसका शिलान्यास हो जाएगा। नाइट टूरिज्म पर उन्होंने कहा कि नाइट टूरिज्म को लेकर जो स्टेट ने घोषणा की और आगे हम उसको स्टेट के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

पर्यटन के मानचित्र पर जोधपुर और अधिक प्रमुखता के साथ में आए। राजस्थान में पर्यटन के दृष्टिकोण से और अधिक काम हो, इसके लिए राजस्थान सरकार से मिलने वाले हर प्रस्ताव पर सकारात्मक रूप से केन्द्र सरकार का पर्यटन मंत्रालय विचार करेगा।

जोजरी नदी के प्रदूषण से जुड़े सवाल पर शेखावत ने कहा निश्चित रूप से यह चिंता का विषय है। मैंने जलशक्ति मंत्री होने के नाते राज्य सरकार से बात की थी। उस समय में राज्य सरकार 40 प्रतिशत और 60 प्रतिशत सहयोग भारत सरकार दे, ऐसा प्रोजेक्ट पारित कराया था। मैं धन्यवाद करूंगा राजस्थान सरकार कि अभी बजट में उन्होंने इसके लिए 176 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट की घोषणा की है। राजस्थान सरकार अपना योगदान करेगी और भारत सरकार भी योगदान देगी। मुझे पूरा विश्वास है कि हम इस समस्या का समाधान हमेशा–हमेशा के लिए कर पाएंगे।

महाकुंभ से जुड़े सवाल पर शेखावत ने कहा कि जो जैसी भावना रखता था, उसके अनुरूप कुंभ में आया। कुंभ में 45 दिन में 67 करोड़ लोगों के एक साथ आने के कारण से जो ऊर्जा का संकलन हुआ है। साथ में, भारत में एकात्मता और भारत की एकता, एक भारत–श्रेष्ठ भारत का भाव जिस तरह से प्रतिपादित हुआ, मैं यह मानता हूं कि वो और भी अधिक महत्त्वपूर्ण है। कुंभ का पुण्य, धार्मिक पक्ष और आस्था भाव एक तरफ है। इस कुंभ ने जिस तरह से भारत को एकता के सूत्र में एक बार फिर बांधने और पूरे भारत के हर कोने से आए हुए व्यक्ति के मन में यह विश्वास जगाने के हम सब भारतीय और भारतीय होने के नाते एक हैं, उसने बहुत बड़ी भूमिका का निर्वाहन किया है।

मुख्यमंत्री का भरतपुर दौरा - आमजन की परिवेदनाओं को सुना, अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को भरतपुर पहुंचे। मुख्यमंत्री से जिले के विभिन्न सामाजिक संगठनों ने सर्किट हाउस में आत्मीय मुलाकात की। संगठनों के प्रतिनिधियों एवं आमजन ने राज्य बजट वर्ष 2025–26 में भरतपुर एवं डीग जिले को दी गई सौगातों के लिए श्री शर्मा का आभार भी जताया। इस दौरान मुख्यमंत्री से नन्हें जूडो कराते खिलाड़ियों ने मुलाकात कर प्रतियोगिता में जीते अपने मेडल्स दिखाए। मुख्यमंत्री ने बच्चों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

मुख्यमंत्री ने सर्किट हाउस में जनसुनवाई भी की और संबंधित अधिकारियों को आमजन की समस्याओं के शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, लघु उद्योग भारती, बृज हनी, ब्रह्माकुमारीज संस्था के सदस्य, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे। इससे पहले भरतपुर पहुंचने पर हैलीपेड पर मुख्यमंत्री शर्मा का स्थानीय जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वागत किया।

जहाँ आधुनिक चिकित्सा समाप्त होती है, वहाँ से आयुर्वेद शुरू होता है : बैरवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चार दिवसीय राज्य स्तरीय आरोग्य मेला–2025 का भव्य शुभारंभ शनिवार को हुआ। शिल्पग्राम, जवाहर कला केंद्र में आयोजित इस मेले का उद्घाटन उप मुख्यमंत्री एवं आयुष मंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद भारतीय जीवनशैली का आधार है और महर्षि चरक ने इसे सिद्ध किया है कि यह चिकित्सा पद्धति न केवल रोगों का उपचार करती है बल्कि संपूर्ण स्वास्थ्य को बढ़ावा देती है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार आधुनिक विज्ञान और नवाचार से जोड़कर आयुर्वेद को नई दिशा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। आयुर्वेद केंद्रों के विस्तार से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि हर व्यक्ति को उचित चिकित्सा सेवा मिले। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि राजस्थान में औषधीय पादपों की उपलब्धता के चलते राज्य इनका निर्यात कर रहा है, जिससे प्रदेश आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा का एक प्रमुख केंद्र बन रहा है।डॉ. बैरवा ने कहा कि आयुर्वेद वहां शुरू होता है जहां आधुनिक चिकित्सा समाप्त होती है। यह चिकित्सा पद्धति रोगों को जड़ से समाप्त करने में सहायक है और इसका वैश्विक स्तर पर प्रचार–प्रसार हो रहा है। उन्होंने राजस्थान को केवल वीरता की भूमि ही नहीं, बल्कि आरोग्य की जन्मभूमि भी बताया। उन्होंने कहा कि यह चार दिवसीय आरोग्य मेला एक बेहतरीन मंच है जहां आगंतुक निःशुल्क परामर्श प्राप्त कर सकते हैं और आयुर्वेद तथा अन्य चिकित्सा पद्धतियों के बारे में गहन जानकारी हासिल कर सकते हैं। उप मुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने प्रदर्शनी में विभिन्न संबंधित स्टॉल्स का अवलोकन किया और वहाँ प्रदर्शित आयुर्वेदिक उत्पादों, पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों तथा औषधीय पादपों की जानकारी ली। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद श्रीमती मंजू शर्मा ने की। उन्होंने कहा कि पहला सुख निरोगी काया को साकार करने के लिए योग और आयुर्वेद को आमजन तक पहुँचाने के लिए सभी को प्रयास करने होंगे। उन्होंने इस मेले को स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। समारोह के अंत में किसानों के लिए एक विशेष पुस्तक का विमोचन किया गया जिसमें औषधीय पादपों की विस्तृत जानकारी दी गई है जिससे किसान आयुर्वेदिक खेती को अपनाकर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। साथ ही आगंतुकों के लिए योग सत्र, आयुर्वेदिक उत्पादों की प्रदर्शनी और औषधीय पादपों की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी।

माइंस के 10 करोड़ से अधिक के बकाया वाले न्यायिक प्रकरणों का परीक्षण करेगी समिति : टी. रविकांत

जयपुर। न्यायिक प्रकरणों के कारण माइंस विभाग की बकाया राशि की वसूली को लेकर राज्य सरकार गंभीर होने के साथ ही प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण को लेकर कवायद तेज कर दी है। प्रमुख सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने कहा है कि माइंस विभाग से संबंधित 10 करोड़ रुपए से अधिक के बकाया राशि के न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों में राजकीय पक्ष को प्रभावी तरीके से रखने के लिए कवायद तेज कर दी है।

उन्होंने बताया कि 10 करोड़ से अधिक के न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों के गुणावगुण के आधार पर अध्ययन कर समीक्षा करने के लिए अतिरिक्त निदेशक माइंस मुख्यालय की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाई गई है। राज्य सरकार द्वारा गठित कमेटी में वित्तीय सलाहकार माइंस विभाग, संयुक्त विधि परामर्शी उदयपुर व जयपुर के साथ ही जयपुर, कोटा, उदयपुर और जोधपुर के अतिरिक्त निदेशक माइंस को सदस्य बनाया गया है। एक मोटे अनुमान के अनुसार 10 करोड़ और इससे अधिक के 50 से अधिक विचाराधीन प्रकरणों में राज्य सरकार की हजारों करोड़ रुपए बकाया चल रहे हैं।

राजीविका राजसखी मेले का हुआ समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चूरू। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में जिला मुख्यालय स्थित पुलिस लाइन मैदान में चल रहे राजीविका राजसखी मेले का शुक्रवार समापन हुआ। समापन समारोह में जिला उप प्रमुख महेन्द्र न्यौल, प्रधान दीपचंद राहड़, सीईओ श्वेता कोचर सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। राजीविका डीपीएम दुर्गा ढाका व स्टाफ ने अतिथियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए जिला उप प्रमुख महेन्द्र न्यौल ने कहा कि महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के प्रयासों में हमारी सकारात्मक भागीदारी हो। राजीविका सखी मेले का आयोजन महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक सशक्त प्रयास है।

प्रधान दीपचंद राहड़ ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने क दिशा में राजसखी मेले का आयोजन एक मजबूत कदम है। इससे हमारी आंचलिक विशेषताओं क्षेत्रीय उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा। प्रदेश भर से महिलाओं द्वारा यहां स्टॉल लगाकर अपने उत्पादों की बिक्री व प्रदर्शन किया, वहीं स्थानीय महिलाओं को भी एक प्लेटफॉर्म मिला है। सीईओ श्वेता कोचर ने मेले के आयोजन को लेकर कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने और उनके उत्पादों को प्लेटफॉर्म प्रदान करने की दिशा में सराहनीय कदम है।राजीविका डीपीएम दुर्गा ढाका ने बताया कि डिजिटल सखी नवाचार के लिए जिले को स्कॉच अवार्ड को टीम को समर्पित किया गया। उन्होंने बताया कि राजसखी मेले में 7 दिनों में 20.50 लाख की बिक्री हुई। मेले में सभी आर्टिसन्स को प्रमाण–पत्र भी वितरित किए गए। इसी के साथ 402 स्वयं सहायता समूहों को 10 करोड़ 2 लाख रुपये का चेक वितरण किए गए। समापन समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम, फैशन शो और लकी ड्रा आयोजित किए गए।

मोदी का कृषि हितधारकों से बजट के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सुझाव देने का आग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कृषि और ग्रामीण विकास के लिए बजटीय प्रस्तावों के शीघ्र कार्यान्वयन का आह्वान किया और हितधारकों से नये बजट पर विचार-विमर्श करने के बजाय 'कार्रवाई' पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

बजट के बाद 'कृषि और ग्रामीण समृद्धि' पर आयोजित वेबिनार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यह बजट सरकार के तीसरे कार्यकाल में एक सुसंगत नीतिगत दृष्टिकोण के साथ 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण के नए विस्तार को दर्शाता है।

मोदी ने कहा, इस वर्ष के बजट को तेजी से क्रियान्वित करना महत्वपूर्ण है। बजट तैयार हो चुका है और हमारा पूरा ध्यान कार्रवाई पर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हितधारकों को बजट कार्यान्वयन में 'बाधाओं और कमियों' की पहचान करनी चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि बजट से पहले सभी हितधारकों से मिली सूचनाओं और सुझावों से इसे तैयार करने में मदद मिली। उन्होंने कहा, अब इस बजट को जमीनी स्तर पर और अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने की जरूरत है। ...और बेहतर परिणाम के लिए, (हितधारकों की) भूमिका और भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कृषि को वृद्धि का पहला इंजन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हितधारकों को बजट कार्यान्वयन में 'बाधाओं और कमियों' की करनी चाहिए पहचान...

माना जाता है और सरकार कृषि वृद्धि और ग्रामीण समृद्धि हासिल करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है।

मोदी ने कहा कि सरकार 'विकसित भारत' के लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध है और हमारा प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी किसान पीछे न छूटे तथा प्रत्येक किसान आगे बढ़े। उन्होंने कहा, हमें देश की कृषि क्षमता का पूर्ण उपयोग करने तथा अधिक लक्ष्य हासिल करने की आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री ने कृषि क्षेत्र में रिकॉर्ड उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खाद्यान्न उत्पादन एक दशक पहले के 26.5 करोड़ टन से बढ़कर वर्तमान में 33 करोड़ टन से अधिक हो गया है। इसी तरह, बागवानी उत्पादन भी बढ़कर 35 करोड़ टन से अधिक हो गया है।

मोदी ने विशेष रूप से प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना का उल्लेख करते हुए इसे अपने लिए 'बहुत महत्वपूर्ण योजना' बताया। यह पहल आकांक्षी जिलों के सफल मॉडल का अनुसरण करते हुए कम फसल पैदावार वाले 100 जिलों पर ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने कहा, हमने बिहार में मखाना बोर्ड की स्थापना की घोषणा की है। मैं सभी हितधारकों से आग्रह करता हूं कि वे देश भर में और वैश्विक बाजार में विविध पोषण युक्त खाद्य पदार्थों की खोज करें और उन्हें बढ़ावा दें।

संभल हिंसा मामले में अब तक 65 आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

संभल/भाषा। उत्तर प्रदेश के संभल जिले की एक अदालत ने पिछले साल 24 नवंबर को हुई हिंसा के 17 आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी, जिसके साथ ही अब तक 65 आरोपियों की याचिका खारिज हो चुकी है। एक शासकीय अधिवक्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अपर जिला शासकीय अधिवक्ता (एडीजीसी) हरि ओम प्रकाश सैनी ने बताया कि अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश निर्भय नारायण राय ने शुक्रवार को संभल हिंसा मामले में 17 आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी। इसके पहले बृहस्पतिवार को ऐसी 18 जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं। हरि ओम प्रकाश सैनी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि इस मामले में अब तक 65 जमानत याचिकाएं खारिज हो चुकी हैं, शेष याचिकाओं पर अन्य तारीखों पर सुनवाई होनी है।

सैनी ने कहा, ''हमने माननीय न्यायालय के समक्ष दलीलें पेश कीं कि 24 नवंबर की घटना में चार निर्दोष लोगों की जान गई है। इन आरोपियों ने पुलिसकर्मियों की हत्या करने की नीयत से ऐसे साधनों का इस्तेमाल किया, जिसमें पथराव भी शामिल था, गोलीबारी भी की गई।''

हिमाचल में भारी बारिश और हिमपात के कारण कई जगह भूस्खलन, कुल्लू में 112 सड़कें अवरुद्ध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश और हिमपात के कारण भूस्खलन और सड़कें अवरुद्ध होने से सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

कांगड़ा जिले के रोकारू (मुल्थान) में लगातार बारिश और बादल फटने से हुए भूस्खलन के कारण कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और 12 मकान खतरे में पड़ गए। कांगड़ा के उपायुक्त हेमराज ने बताया कि प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है और पुनर्निर्माण कार्य जारी है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि पालमपुर में शिवा जलविद्युत परियोजना के निकट एक व्यक्ति लापता हो गया और उसकी तलाश के लिए अभियान शुरू किया गया है। भारी हिमपात के कारण चंबा में पांगी घाटी का संपर्क टूट गया है और बिजली तथा दूरसंचार सेवाएं बुरी तरह बाधित हुई हैं। कुल्लू में भूस्खलन के खतरे के कारण नालों व खड्डों के किनारे मकानों पर खतरा मंडरा रहा है और कुछ स्थानों पर बिजली व पानी की आपूर्ति अब भी बाधित है। टोहलू नाला में भूस्खलन के कारण कीरतपुर-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हो गया और पर्यटक फंस गए। कुल्लू में कुल 112 सड़कें बंद हैं और 1646 'ट्रांसफार्मर' को चालू करने का काम जारी है। कुल्लू के जिलाधिकारी तारुल रवेश ने बताया कि कुल 125 जलापूर्ति योजनाएं बाधित हुई हैं।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने माता वैष्णो देवी मंदिर में पूजा-अर्चना की

कटरा/जम्मू/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर में पूजा-अर्चना की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा के साथ उनकी पत्नी मल्लिका नड्डा, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं जम्मू-कश्मीर के प्रभारी तरुण चुघ और भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष सत शर्मा भी थे।

नड्डा वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले तीर्थयात्रियों के आधार शिविर कटरा पहुंचे, जहां उन्होंने पार्टी द्वारा 28 विधायकों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित किया। इन विधायकों में ज्यादातर ऐसे विधायक शामिल थे जो पहली बार चुनकर आए हैं। यह कार्यशाला बजट सत्र से पहले आयोजित की गई थी। बजट सत्र तीन मार्च से शुरू होगा।

शुक्रवार को कटरा स्थित एक होटल में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बी एल संतोष और सत शर्मा ने संयुक्त रूप से विधायक प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन किया था। कार्यशाला का उद्देश्य विधानसभा की कार्यवाही में भाजपा विधायकों की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करना है।

केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने सात दिवसीय जन औषधि कार्यक्रम की शुरुआत की

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शनिवार को प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के बारे में जागरूक करने वाले एक रथ और 10 अन्य वाहनों को हरी झंडी दिखाकर जन औषधि दिवस 2025 के लिए सप्ताह भर के कार्यक्रम की शुरुआत की।

जनसभा के दौरान नड्डा ने मौजूद लोगों से जन-औषधि पहल के बारे में व्यापक जागरूकता के मकसद से सप्ताह भर जारी रहने वाले कार्यक्रम में हिस्सा लेने का आग्रह किया। इस योजना को लेकर जागरूकता बढ़ाने और 'जेनेरिक' दवाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हर वर्ष सात मार्च को 'जन औषधि दिवस' मनाया जाता है। पिछले वर्षों की तरह, सरकार ने एक मार्च से सात मार्च तक देश के विभिन्न स्थानों पर सप्ताह भर के कार्यक्रम आयोजित किए हैं। देश भर में 28 फरवरी 2025 तक कुल 15 हजार जन औषधि केंद्र (जेएके) हैं। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के उत्पाद समूह में 2,047 दवाएं और 300 सर्जिकल उपकरण शामिल हैं, जो ब्रांडेड दवाओं की तुलना में खुदरा दुकानों पर 50 से 80 प्रतिशत सस्ते दामों पर बेचे जाते हैं।

सरकार कृषि बजट प्रस्तावों के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध : शिवराज सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि सरकार देशभर के विशेषज्ञों की सिफारिशों के आधार पर बजट प्रस्तावों को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बजट के बाद 'कृषि और ग्रामीण समृद्धि' पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा, कृषि के विकास और किसानों की समृद्धि के बिना विकसित भारत का निर्माण नहीं किया जा सकता है। एक

आधिकारिक बयान में कहा गया कि मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि ग्रामीण विकास और कृषि वृद्धि, सरकार के एजेंडे में केन्द्रीय स्थान पर है। उन्होंने कहा कि प्रशासन मखाना बोर्ड के गठन के लिए प्राप्त सुझावों पर काम करेगा। वेबिनार के दौरान चौहान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मोदी के नेतृत्व में 'कृषि क्षेत्र और किसान भाई-बहन समृद्ध हो रहे हैं।'

कृषि मंत्री ने ग्रामीण विकास के लिए नीति को अमल में लाने के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, बजट प्रस्तावों को जमीनी स्तर पर लागू करना हमारा संकल्प है।

चौहान ने किसानों को समर्थन देने के लिए छह सूत्री रणनीति भी बताई। इसमें उत्पादन बढ़ाना, उत्पादन लागत कम करना, उचित मूल्य सुनिश्चित करना, नुकसान की भरपाई करना, कृषि में विविधता लाना और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना शामिल हैं।

लोकसभा, विधानसभा 'लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंदिर': मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को लोकसभा और विधानसभा को ''लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंदिर'' बताया और इस बात पर जोर दिया कि यहां आने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए कोई बाधा नहीं है या किसी के साथ भेदभाव नहीं है।

सोरेन ने छठी झारखंड विधानसभा के सदस्यों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण-सह-अभिविन्यास कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के दौरान कहा, ''इस मंदिर की आवाज हर किसी तक पहुंचती है।'' राज्य विस के सम्मेलन कक्ष में सदस्यों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''लोकसभा और विधानसभा लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर हैं। यह एकमात्र ऐसा मंदिर है जहां किसी को भी प्रवेश में भेदभाव या प्रतिबंध का सामना नहीं करना पड़ता है। इस मंदिर की गरिमा और भव्यता को बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है।'' सोरेन ने कहा, '' मैं इस पर टिप्पणी नहीं करूंगा कि मंदिर, मस्जिद या गुरुद्वारों की आवाज कितनी दूर तक और किस तक पहुंचती है लेकिन लोकतंत्र के मंदिर की आवाज हर किसी तक पहुंचती है फिर चाहे वह हिंदू हो, मुस्लिम हो, सिख हो, ईसाई हो, अमीर हो या गरीब हो।'' कार्यक्रम का उद्देश्य विधायकों को संसदीय प्रणाली, विधायी कार्यवाही और सदन की मर्यादा से परिचित कराना है।

एमओई प्रदर्शनी : रेल पटरियों को साफ करने वाले रोबोट समेत 185 नवाचार प्रदर्शित किए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। चेन्नई में राष्ट्रीय अनुसंधान प्रदर्शनी 'आईआईएनवेनटिव' में प्रदर्शित 185 नवाचारों में वायु गुणवत्ता के आधार पर यात्रा मार्ग सुझाने वाला एक ऐप, गाय के गोबर पर आधारित एक 'फोमिंग एजेंट', रेलवे पटरियों की सफाई के लिए एक रोबोट प्रणाली और बांस के पाउडर का उपयोग करके बोतलें बनाने की एक प्रणाली शामिल हैं।

शिक्षा मंत्रालय (एमओई) के इस दो दिवसीय प्रमुख कार्यक्रम के तीसरे संस्करण का आयोजन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मद्रास द्वारा किया जा रहा है। इस बार इस प्रदर्शनी में न केवल आईआईटी बल्कि एनआईटी, आईआईएससी (बेंगलूरु) और आईआईएसईआर के नवाचार और उपकरण भी शामिल किए गए हैं। आईआईटी, हैदराबाद 'हेल्दीरूट' नामक नेविगेशन ऐप पेश कर रहा है, जो वास्तविक समय के वायु गुणवत्ता आंकड़ों को यातायात प्रवाह के साथ जोड़ता है, ताकि उपयोगकर्ताओं को कम से कम यातायात भीड़ और बेहतर वायु गुणवत्ता वाले मार्ग सुझाए जा सकें।

आईआईटी, हैदराबाद की अंतरा रॉय ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''मौजूदा ऐप मुख्य रूप से यातायात और समय संबंधी बेहतर रूट पर ध्यान केंद्रित करते हैं, लेकिन खराब वायु गुणवत्ता के कारण स्वास्थ्य जोखिमों से जुड़ी चुनौतियों का समाधान करने में विफल रहते हैं। हमारा ऐप वायु प्रदूषण आंकड़ों को यातायात भीड़ के साथ एकीकृत करके, एक नया नेविगेशन समाधान प्रदान करता है।'' राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), केरल ने 'एविबोट' प्रदर्शित किया है।

असम से भूटान तक पहली रेल लाइन के लिए डीपीआर पूरी : एनएफआर

गुवाहाटी/भाषा। भारतीय रेलवे ने असम के कोकराझार से भूटान के गेलेफू तक रेल लाइन बिछाने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पूरी कर ली है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के प्रवक्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी।

प्रवक्ता ने कहा कि प्रस्तावित रेलवे लाइन के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण पहले ही पूरा हो चुका है, अब डीपीआर की मंजूरी का इंतजार है। प्रस्तावित 69.04 किलोमीटर रेलवे लाइन असम के कोकराझार स्टेशन को भूटान के गेलेफू से जोड़ेगी व अनुमानित लागत 3,500 करोड़ रु. होगी। इस परियोजना में छह नए स्टेशन - बालाजन, गरुभासा, रुनिखाता, शांतिपुर, दादगिरि और गेलेफू का विकास शामिल है। बुनियादी ढांचा योजना में दो अहम पुल, 29 बड़े पुल, 65 छोटे पुल, एक 'रोड ओवर-ब्रिज', 39 'रोड अंडर-ब्रिज' और 11 मीटर लंबाई के दो पुल शामिल हैं। प्रवक्ता ने कहा, '' अंतिम स्थान सर्वेक्षण सफलतापूर्वक पूरा हो गया है और डीपीआर को आगे की मंजूरी और आवश्यक निर्देशों के लिए प्रस्तुत कर दिया गया है।'' उन्होंने कहा, ''प्रस्तावित रेलवे लाइन दोनों देशों के बीच व्यापार, पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ाकर भारत-भूटान संबंधों को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत करेगी। इससे संपर्क में भी सुधार होगा।

अमेरिकी प्रोफेसर ने भारत की 'ड्रोन दीदी' योजना की प्रशंसा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एमआईटी स्लोन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के वरिष्ठ व्याख्याता जोनाथन फ्लेमिंग ने शनिवार को आईसीएआर पूसा परिसर के दौरे पर प्रौद्योगिकी के माध्यम से महिला सशक्तिकरण में भारत के प्रयासों की सराहना की।

फ्लेमिंग ने 'नमो ड्रोन दीदी' योजना के प्रतिभागियों के साथ बातचीत के बाद कहा, मैं यह देखकर उत्साहित हूं कि भारत महिला सशक्तिकरण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग कैसे कर रहा है। उन्होंने कहा, यह पहल न केवल ग्रामीण भारतीय महिलाओं के लिए बल्कि अन्य देशों के लिए भी प्रेरणा है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि अतिथि प्रोफेसर ने चार महिला प्रतिभागियों - गीता, सीता, प्रियंका और हेमलता द्वारा कृषि प्रयोजनों के लिए उपयोग की जाने वाली ड्रोन प्रौद्योगिकी का सजीव प्रदर्शन देखा। इन प्रतिभागियों ने ड्रोन का उपयोग करके फसल के खेतों में उर्वरकों और कीटनाशकों का छिड़काव किया। बातचीत के दौरान, महिलाओं ने बताया कि कैसे सरकारी कार्यक्रम ने उन्हें ड्रोन प्रौद्योगिकी अपनाने में मदद करने के लिए प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता प्रदान की। उन्होंने वित्तीय स्थिति में उल्लेखनीय सुधार की सूचना दी और 'ड्रोन दीदी' के रूप में अपने नए पदनाम पर गर्व व्यक्त किया।

गंगा जल संधि पर संयुक्त बैठक के लिए 11 सदस्यीय बांग्लादेशी टीम भारत आएगी

ढाका/भाषा। गंगा जल संधि के संबंध में बैठक के लिए 11 सदस्यीय बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल सोमवार को भारत आएगा। संधि का नवीनीकरण 2026 में होना है। सीमापार नदी जल बंटवारे के लिए 30 वर्ष पुरानी संधि के नवीनीकरण के संबंध में भारत और बांग्लादेश अगले सप्ताह तकनीकी विशेषज्ञों की संयुक्त समिति की 86वीं बैठक आयोजित करने वाले हैं।

समाचारपत्र 'डेली स्टार' ने शनिवार को यहां कहा, ''संयुक्त नदी आयोग (जेआरसी) के सदस्य मोहम्मद अबुल हुसैन के नेतृत्व में बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल तीन मार्च को कोलकाता पहुंचेगा और फरक्का में गंगा पर संयुक्त निरीक्षण स्थल के दो दिवसीय दौरे पर रवाना होगा।'' वरिष्ठ संयुक्त आयुक्त (एफएम) आर आर संभारिया द्वारा लिखे गए पत्र के अनुसार, प्रतिनिधिमंडल 6-7 मार्च को भारत-बांग्लादेश संयुक्त नदी आयोग के तत्वावधान में दो दिवसीय बैठक के लिए कोलकाता आएगा।

नायर की नाबाद 132 रन की पारी से विदर्भ ने रणजी ट्रॉफी फाइनल में केरल पर बनाया दबदबा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। करुण नायर ने शनिवार को यहां रणजी ट्रॉफी फाइनल के चौथे दिन दूसरी पारी में शनिवार को यहां नाबाद 132 रन बनाकर विदर्भ को 286 रन की कुल बढ़त के साथ मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

नायर ने रणजी ट्रॉफी के मौजूदा सत्र में अपना चौथा शतक जड़ा। उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में भी पांच शतक लगाये जिससे इस सत्र में उनके नाम कुल नौ शतक हो गये। नायर की इस पारी से विदर्भ रणजी ट्रॉफी के अपने तीसरे खिताब के काफी करीब पहुंच गया है। रणजी ट्रॉफी के 90वें सत्र के फाइनल में नायर ने जीवनदान का फायदा उठाते हुए 280 गेंद की धैर्यपूर्ण पारी में 132 रन बनाये जिससे विदर्भ ने दिन का समापन चार विकेट पर 249 रन पर किया। विदर्भ ने पहली पारी में 37 रन की बढ़त हासिल की थी। दिन के 19वें ओवर में केरल के अक्षय चंद्रन ने ईडन एपल टॉम की गेंद में पहली स्लीप में नायर का आसान कैच टपका दिया।

नायर इस समय 31 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। इस कैच छूटने का मैच पर बड़ा प्रभाव हुआ क्योंकि नायर ने शतकीय पारी खेलने के साथ केरल के गेंदबाजों को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। पहली पारी में शानदार शतक जड़ने वाले दिनेश मालेवार ने एक बार फिर कमाल की बल्लेबाजी करते हुए 73 रन बनाये और चौथे विकेट के लिए नायर के साथ 182 रन की बड़ी साझेदारी की। दोनों ने क्रीज पर तब मोर्चा संभाला जब विदर्भ की टीम सात रन पर दो विकेट गंवा कर मुश्किल में थी। नायर ने अब तक की नाबाद पारी में 10 चौके और दो छक्के जड़े हैं। नायर ने 59वें ओवर में जलज सक्सेना (76 रन पर एक विकेट) के खिलाफ एक रन लेकर प्रथम श्रेणी क्रिकेट का अपना 23वां शतक पूरा किया। उन्होंने इसका जश्न हेलमेट उतर कर ड्रेसिंग रूम की तरफ बल्ला दिखा कर मनाया। उन्होंने इसके बाद अपनी अंगुलियों ने नौ का इशारा कर इस सत्र में लगाये शतकों के बारे में बताया। मालेवर ने 161 गेंद की पारी में पांच चौके जड़े। दिन का खेल खत्म होते समय नायर के साथ कप्तान अक्षय (नाबाद चार) क्रीज पर मौजूद थे।

राजग सरकार बिहार की जनता पर बोझ, 15 साल पुरानी गाड़ी की तरह इसे खत्म कर देना चाहिए : तेजस्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने बिहार की भाजपा नीत राजग सरकार की खिल्ली उड़ाते हुए शनिवार को कहा कि दो दशक पुरानी सरकार को ठीक उसी तरह बदलने का समय आ गया है, जैसे राज्य में प्रदूषण फैलाने के कारण 15 साल पुराने वाहनों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध है।

यादव ने कहा कि बिहार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार अब राज्य के लोगों पर ''बोझ'' बन गई है। यादव ने कहा, ''मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार की 20 साल पुरानी

राजग सरकार अब एक खटारा वाहन में बदल गई है। पूरे बिहार में 15 साल से अधिक पुराने वाहनों पर प्रतिबंध है क्योंकि वे बहुत ज्यादा धुआं छोड़ते हैं, प्रदूषण बढ़ाते हैं और जनता के लिए हानिकारक हैं। इसलिए 20 साल पुरानी खटारा राजग सरकार को राज्य में काम करने की अनुमति क्यों दी जानी चाहिए? यह सरकार बिहार के लोगों पर बोझ बन गई है... इसे बदलना होगा।'' विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, '' इसलिए, 20 साल पुरानी कमजोर राजग सरकार को राज्य में काम करने की अनुमति क्यों दी जानी चाहिए?

यह सरकार बिहार के लोगों पर बोझ बन गई है... इसे बदला जाना चाहिए।'' यादव ने दावा किया कि पिछले 20 वर्षों में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार ने राज्य में 'गरीबी, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, अपराध और पलायन का घातक प्रदूषण' फैलाया है। तेजस्वी ने कहा, ''नीतीश-भाजपा सरकार ने 20 वर्षों में दो पीढ़ियों का जीवन बर्बाद कर दिया। अब यह सरकार बिहारवासियों पर बोझ बन चुकी है। अब इसे बदलना अति आवश्यक है।''

सुविचार

पैरों से कांटा निकल जाए तो चलने में मज़ा आता है, और मन से अहंकार निकल जाए तो जीवन जिने में मज़ा आता है।

ट्वीट

आज लोगों में पोषण को लेकर काफी जागरूकता बढ़ी है। इसलिए, बागवानी, डेयरी और फिशरी प्रोडक्ट्स की बढ़ती मांग को देखते हुए इन सेक्टर्स में काफी इंवेस्टमेंट किया गया है। फल और सब्जियों का उत्पादन बढ़ाने के लिए अनेक कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं।

-नरेन्द्र मोदी

सूरत के कपड़ा बाजार में भीषण आग से सैकड़ों राजस्थानी व्यापारियों को भारी नुक़सान एवं उनकी आजीविका पर संकट होना अत्यंत पीड़ादायक है। मेरा राजस्थान सरकार से आग्रह है कि गुजरात में व्यापार कर रहे राजस्थानी हमारे ही परिवार का हिस्सा हैं।

-गोविंद सिंह डोटासरा

कहानी

एक दिन

अमिता नीरव

जून निकल रहा है और मेरी बेचैनी बढ़ने लगी है। हर साल इन दिनों यही होता है। आखिरकार इन्हीं दिनों उच्च शिक्षा में तबादले जो होने होते हैं। पता नहीं मैं इतना क्यों घबराती हूँ, तबादलों से... या कि किसी भी तरह के बदलाव मुझे असहज कर देते हैं? क्या उम्र बढ़ने पर ऐसा ही होने लगता है? सौम्य से मैं इस तरह की चर्चा नहीं कर सकती हूँ, ऐसा कहते ही वे मुझे झिड़केंगे... क्या हमेशा उम्र-उम्र की बात करती हो? मुझे नहीं पता था, तुम इन सबको लेकर इतनी कांशस होओगी।

यदि पता होता तो...- मैं माहौल हल्का करने की गरज से चिढ़ाती हूँ, लेकिन देखती हूँ कि सौम्य जरा भी नर्म होने के लिए तैयार नहीं हैं - पता होता तो तुमसे शादी करने से पहले सोचता। तुम अपनी उम्र के बारे में कहती हो, तो क्या मुझे नहीं लगता है? यार 35 कोई उम्र होती है?

फिर खुद ही थोड़ा फ्लर्ट करते हैं - तुम्हें कौन कहेगा कि तुम 35 की हो और तुम्हारा 10 साल का बेटा है... यदि हम तुम्हारे साथ न हो तो कोई भी तुमसे शादी करने के बारे में सोच सकता है।

चलो-चलो रहने दो... कुछ कहो तो थोड़ा रिजनेबल होकर तो कहो... ज्यादा मक्खन पॉलिश अच्छी नहीं लगती है। - अबके मैं थोड़ी झिड़की और थोड़ी सुलह का संकेत देती हूँ। वैसे सौम्य कुछ गलत भी नहीं कहते हैं। क्या मैं देख नहीं पाती हूँ, अपने साथ काम करती महिलाओं की आँखों में उतर आती ईर्ष्या, पुरुषों की जबान से गिरने-गिरने को होती प्रशंसा और आँखों से टपकती... जाने भी दो... ऋचा हमेशा कहतीं है, दीदी आपकी आँखों की गंभीरता से ही सब कुछ ठीक रहता है, नहीं तो...!

नहीं तो... क्या? तू आजकल बहुत बोलने लगी है। - मैं उसे झूठमूठ ही धमकाती हूँ।

हाँ ठीक ही तो हैं, 35 कोई उम्र होती है। अब ऋषभ यदि 10 साल का हो गया है, तो इसका ये मतलब तो नहीं कि मैं बूढ़ी हो गई हूँ।

खैर, तो शायद डर घर के डिस्टर्ब हो जाने का होता होगा। या फिर खुद के अकेले रहने का या फिर... पता नहीं क्या... लेकिन बस बेचैनी है तो है...। सौम्य के सामने अपनी बेचैनी का पता दो तो, सीधे ही सुझाव मिलेगा, ऐसा होगा, तब देखेंगे... छुट्टी ले लेना...। अब खुद तो 10 घंटे काम करते हैं, ऋषभ भी स्कूल जाता है, मैं घर में करूँ क्या? वो तो पूछेंगे, बाकी औरतें क्या करती हैं?

बहुत तो समझते हैं, फिर भी बहुत कुछ बाकी है। अब मैं घर-गृहस्थी, साड़ी-गहने और सास-ननद की बातें करने के लिए किसी किटी क्लब की सदस्य नहीं बन सकती। पढ़ना भी तब ही हो पाता है, जब थोड़ा-थोड़ा कर पढ़ो। जिस दिन यूँ लगे कि अब पढ़ना ही पढ़ना है तो... किताबों से ही कोफ्त होने लगे। जब दिनभर ही फुर्सत हो तो घर का काम भी करने में मन नहीं लगता। फिर हर दिन के कामकाज के अतिरिक्त घर में ज्यादा काम साफ-सफाई का ही रहता है, अब ये तो नहीं हो सकता ना कि कल ही साफ कर जमाई अलमारी को आज फिर बिखेरूँ और फिर जमाऊँ... ये बेगारी होने से तो रही... लेकिन सौम्य समझेंगे ये सब...? तो फिर क्या करूँ?

अब जब तक अंतिम रूप से ट्रांसफर लिस्ट आउट नहीं हो जाती है, इसे तो सहना ही है। कॉलेज शुरू हो तो अरुण को फोन करूँ। उसे फोन करो तो वह भी यही कहेगा... दीदी, लिस्ट आने तो दो, मैं सब सँभाल लूँगा। तो फिर क्या करूँ? सहना ही होगा... बस आधी रात को खुली नींद में यही उधेड़बुन चल रही थी। ऋषभ थोड़ा कुनमुनाया तो उसकी पीठ पर हाथ रखा। थोड़ी देर उसी असमंजस में बैठी रही। फिर धीरे से चादर हटाई और स्लीपर में पैर फँसा कर बहुत हौले-से कमरे का दरवाजा खोला और बाहर निकल आई। जून खत्म होने पर है, मौसम बदल रहा है। चार दिन से थोड़ा-थोड़ा रुक-रुक कर पानी बरस रहा है। आज दिन में ही थोड़ी धूप निकली थी, लेकिन शाम होते-होते बादलों की आवाजाही शुरू हो गई। आखिर आषाढ़ भी आधा निकल गया है। बाहर बूँदाबाँदी हो रही थी। बॉलकनी में कुर्सी लगाकर बैठ गई, यहाँ आकर थोड़े सुकून का अहसास हो रहा था, बेचैनी थोड़ी कम हुई थी। पता नहीं कितनी देर यूँ ही बैठी रही थी, जब सौम्य ढूँढ़ते हुए बाहर आए तब इस बात पर ध्यान गया कि फुहारें तेज बारिश में बदल चुकी है।

क्या हुआ? यहाँ क्यों बैठी हो? नींद नहीं आ रही है क्या? - सौम्य ने चिंतित होकर पूछा।

कुछ नहीं दिन में फुर्सत होती है तो सो लेती हूँ, फिर रात में गहरी नींद नहीं आ पाती है। बहुत देर से जाग रही थी, बारिश की आवाज सुनी तो बाहर आ गई। - मैंने उन्हें समझाते हुए कहा।

पिछले साल राखी पर माँ का दिलाया हुआ ग्रीन लहरिया पहना था। अपने ड्रेसिंग टेबल के ड्रॉवर में बिंदी वाले खाने में बहुत ढूँढ़ने के बाद मुझे कलर्ड बिंदी का पत्ता मिला था। बाल धुले हुए थे, तो यूँ ही कंघी कर ली थी। यूँ कंधे से थोड़ा नीचे उतरते बालों को भी खुला रखना मुझे सुविधाजनक नहीं लगता है, झटपट पोनी बाँध लेती हूँ। हाँ जिस दिन बाल धुले हो तो सूखने के लिए खुले छोड़ने पड़ते हैं, फिर भी सूखे नहीं कि तुरंत बाँध लेती हूँ... यूँ लगता है कि आजादी बाधित होती है। पता नहीं क्यों मन हुआ कि आज ग्रीन बिंदी ही लगाऊँ, इसलिए बहुत मशक्कत करके ढूँढ़ी। बिंदी लगाकर खुद को आईने में देखा तो लगा कुछ ज्यादा हो रहा है। मैं कॉलेज जा रही हूँ, कहीं शादी या किसी फंक्शन में नहीं। पता नहीं क्यों अपने दिखने को लेकर मैं थोड़ी ज्यादा ही कांशस रहती हूँ। कोई नोटिस न करें, तो लगता है कि बच गए... लेकिन जरा-सा भी नोटिस की गई तो दिन भर कुछ अटका-सा लगता है। इसलिए कपड़ों के रंगों को छोड़कर खुद पर और कुछ भी अतिरिक्त लगने नहीं देती हूँ। तो फिर हरे रंग की बिंदी हटाकर वही ब्राउन बिंदी लगाई और निकल पड़ी। आज कॉलेज का पहला दिन जो है। दिन भर एडमिशन की सरगर्मी रही। इसके बीच में ही समय निकाल कर छुट्टियाँ कैसे गुज़री इस पर भी बातचीत होती रही। फिर बातचीत आकर उसी असुविधाजनक विषय पर रुक गई... ट्रांसफर...। इस बार कॉलेज में ट्रांसफर का डर मेरे साथ-साथ ऋचा, मिसेस गुप्ता और महावीर जैन को भी है, हम चारों को ही इस कॉलेज में तीन साल से ज्यादा हो चुके हैं। मुझे एक राहत ये लगी कि चलो हम सारे एक ही कश्ती के मुसाफिर हैं।

जबसे सुना है कि लिस्ट तैयार हो गई, तब से पता नहीं कैसी तो टूटी-टूटी-सी नींद आती है और रात भर उटपटाँग सपने आते रहते हैं। आज तो हेडक्लर्क चौरसिया ने बताया कि लिस्ट आज रात को या फिर कल तो पक्के में निकल ही आएगी। हे भगवान, हे भगवान चौबीसों घंटे लगी रहती है। रात को जैसे ही लिस्ट निकली जिसका डर था वही हुआ। ट्रांसफर की खबर सुनते ही दिल बैठ गया। सौम्य ने सुना तो वो भी थोड़े परेशान दिखाई दिए।

अरुण को फोन करता हूँ। तुम तो छुट्टी की एप्लीकेशन दे दो। - सौम्य ने कहा।

अरे! अब आज तो रुको, कल करेंगे। उसे भी जो करना होगा, वो कल ही कर पाएगा ना... अब नौकरी कर रहे हैं तो इन चीजों से घबराने से क्या फायदा? फिर कोई दूर तो है नहीं, अरुण जिम्मेदारी से कर ही देगा, ज्यादा मुश्किल आएगी तो फिर सोचेंगे छुट्टी लेने के लिए... - मैं सौम्य को समझा रही हूँ, या खुद को... खुद ही समझ नहीं पा रही हूँ। सुबह अरुण को फोन किया तो उसने कहा - मुझे पता है दीदी। मैं कोशिश कर रहा हूँ और हो जाएगा। आप चिंता मत करो, मुझ पर विश्वास करो। लेकिन मैं क्या करूँ ज्वाइन करूँ या न करूँ? - मैंने बहुत हताश होकर अरुण से पूछा।

ज्वाइन तो कर ही लें, यूँ भी दूर ही कितना है? कुल 45 मिनट का तो रास्ता है। अब क्या है कि सरकारी काम है, आप तो जानती ही हैं। - उसने बात समेटी।

आखिरकार नए कॉलेज को ज्वाइन कर ही लिया। ऋचा का भी ट्रांसफर हुआ है, वो भी अप-डाउन कर रही है। हम दोनों साथ ही ट्रेन पकड़ते हैं, मैं पहले उतरती हूँ, उसे आधा घंटा और लगता है। धीरे-धीरे और भी अप-डाउनर्स से मुलाकात होती चली गई। कुछ तो कॉलेज का ही स्टाफ है खुद प्रिंसिपल भी हमारे साथ ही अप-डाउन करते हैं। कुछ बैंक में काम करने वाली लड़कियाँ हैं। कुल मिलाकर एकाध महिला ही मेरी उम्र की है, बाकी चारों-पाँचों 24-26 साल की उम्र की लड़कियाँ है। वैसे ज्यादा असुविधा नहीं है। बस समय साधना पड़ता है, डेढ़ घंटे का समय एडजस्ट करने में शुरुआत में थोड़ी मुश्किल आई थी, धीरे-धीरे सब ठीक हो गया। समय को बचाने की गरज से साड़ी को तिलांजलि दे दी। सलवार-कमीज पहनने लगी, 10 मिनट भी बचते हैं तो कितनी राहत हो जाती है, ये सिर्फ अप-डाउन करने वाली शादीशुदा महिला ही समझ सकती है। महीना भर हो गया अप-डाउन करते हुए... हर तीन-चार दिन में मैं या सौम्य अरुण को फोन लगा लेते हैं। कल रात को ही उससे बात हुई तो उसने दिलासा दिया और बताया कि - पैसा भी दे दिया है। मतलब अब आप निश्चिंत हो सकते हैं।

बस इसी निश्चिंतता में रात बड़ी गहरी नींद आई और सुबह 15 मिनट देर से नींद खुली। बहुत हड़बड़ी में नहा कर बाहर आई और रेलवे स्टेशन फोन लगाया तो एक राहत की खबर मिली कि ट्रेन आधा घंटा लेट है, चलो थोड़ा इत्मिनान है। जब स्टेशन पर पहुँची तो पता चला कि ट्रेन डेढ़ घंटा लेट हो गई है। सबको ही अपने-अपने दफ्तर लेट हो जाने की चिंता थी, लेकिन हम तो निश्चिंत थे, आखिर प्रिंसिपल जो हमारे साथ हैं। अब जिन्हें लेट होने की चिंता हो रही है, वे भी कर क्या सकते हैं? ट्रेन तो जब आएगी, तब ही आएगी ना...! एक-एक कर सारी महिलाएँ इकट्ठा हो गईं, महिला वेटिंग रूम में तो पैर रखने की भी जगह नहीं है, जंक्शन है तो यहाँ कई मुसाफिर अपने गंतव्य के लिए गाड़ियाँ बदलते हैं, इसलिए रातभर सफर कर अगली ट्रेन का इंतजार करती महिलाओं से पूरा वेटिंग रूम भरा हुआ है... हर तरफ बेतरतीबी से पड़ा सामान और जैसी जगह हो, उसी में खुद को एडजस्ट करके ऊँघती महिलाओं को अंदर ही छोड़कर हम सभी बाहर आ गए।

बैंच पर बैठ कर सारे बातों में मशगूल थे। बहुत देर से किसी के गाने की आवाज आ रही थी आश्चर्य है कि किसी ने भी इस पर ध्यान नहीं दिया। ध्यान तो मेरा भी नहीं गया था, ये तो बाद में एक छोटी-सी घटना से रिकॉल हुआ। जैसे ही ट्रेन के आने का अनाउंसमेंट हुआ, हम सभी ने अपनी-अपनी सीट छोड़ दी। जहाँ हम जाकर खड़े हुए वहाँ फिर उसी तरह से गाने की आवाज आती रही और फिर आश्चर्य कि... हममें से किसी ने भी इस बात पर ध्यान नहीं दिया। आखिरकार पूरे प्लेटफार्म को कँपाती हुई धड़धड़ाती ट्रेन आ पहुँची। किसी भी तरह के खतरे का कोई सिग्नल नहीं मिला तो सभी रिजर्वेशन के डिब्बे में चढ़ गए। साढ़े दस बज चुके थे, कुछ यात्री बाकायदा जागकर नाश्ता कर रहे थे, तो कुछ सो ही रहे थे। हमें जहाँ जगह मिली वहाँ उपर की दोनों बर्थ पर लोग नींद निकाल रहे थे, सो नीचे की एक-एक सीट तो यूँ भी खाली मिल गईं थीं। फिर थोड़ा-थोड़ा सबने एडजस्ट किया तो दो के बैठने की और व्यवस्था हो गईं। सामने की बगल वाली सीट पर बैठी महिलाओं ने भी थोड़ी सहृदयता दिखाई... इस तरह से हम सभी एक ही कंपार्टमेंट में इकट्ठा हो गईं। मेरी सीट पर सबसे पहले शर्मिला बैठी थी, उसके बाद मैं। ट्रेन अभी भी रुकी हुई थी, जब सारे लोग ठीक से सैटल हो गए तो मेरा ध्यान बाहर की तरफ गया। वहाँ एक 22-24 साल का लड़का खड़ा था, वो लगातार हमारे ही कंपार्टमेंट में देख रहा था, जैसे ही मेरी नजर उधर गई, उसने इशारे से मुझे बताया कि मैं अच्छी लग रही हूँ... मैं एकाएक चौंकी... मैंने शर्मिला की तरफ देखा, लेकिन वो सामने बैठी ऋचा से बातों में मशगूल थी। फिर मैंने ऋचा के पास बैठी अनुभूति की तरफ देखा तो उसने तो बाकायदा आँखें मूँद रखी थी। मैंने फिर से धड़कते दिल से बाहर की तरफ देखा, वो अब भी वहीं खड़ा था, उसने फिर से मुझे वैसा ही इशारा किया... मेरी धड़कनें बेकाबू हो गईं... मैंने चोर निगाहों से एक बार फिर अपने आसपास देखा, चाहा कि बाहर की ओर नहीं देखूँ, लेकिन फिर भी निगाह चली गई, वो अब भी वहीं खड़ा था। अब गाड़ी धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगी थी, वो थोड़ी दूर तक खिड़की के साथ-साथ दौड़ता दिखा, फिर से उसने वैसा ही इशारा किया... गाड़ी तेज हो गई और वो वहीं छूट गया।

मैं एकाएक असहज हो गई, आमतौर पर मैं सबकी बातों में शामिल होती हूँ, लेकिन आज मुझे खुद भी पता नहीं कि मैं कहाँ हूँ। मुझे प्लेटफार्म पर आ रही गाने की आवाज की याद आ गई। गाड़ी पहुँचने वाली थी, लेकिन मैं बहुत कोशिश करके भी सहज नहीं हो पा रही थी। मैंने खुद को बहुत झिड़का... मैं उस लड़के की उम्र के बच्चों को पढ़ाती हूँ... अब कोई मेरी उम्र भी 20-22 साल नहीं है। खुद को ये कहकर भी समझाया कि हो सकता हो, वो शर्मिला के लिए खड़ा हो और... लेकिन फिर मैं खुद से ही तर्क करती हूँ कि फिर उसने मुझे क्यों इशारा किया...? पूरा दिन मेरा होना, मेरे सामने ही नहीं खुला... दिन एक तरंग... एक नशे-की-सी हालत में गुजरा... हाँ खुद को झिड़कना भी दिन भर जारी रहा। शाम को जब फिर से उसी प्लेटफार्म पर उतरीं तो लगा जैसे यहाँ सब कुछ बदला हुआ है। हर दिन की तरह घर भागने की जल्दी मुझे महसूस नहीं हुई। एक बार बहुत सतर्क नजरों से पूरे प्लेटफार्म का निरीक्षण किया... पता था कि अब यहाँ कुछ भी नहीं होगा, लेकिन... खुद से पूछ भी रही हूँ कि ये क्या बचपना है...? यूँ ऐसे नई-नई हुई जवान लड़की की तरह छुईमुई होने की तो कोई वजह नहीं थी... मगर कुछ तो था ही...। गाड़ी निकाल कर जब घर की तरफ बढ़ी तो अग्रवाल मिष्ठान्न पर बाहर रखे बड़े से कड़ाह की चाशनी में तैरते गर्मागर्म गुलाबजामुन दिखे... यूँ कभी भी रुक कर कुछ खरीदती नहीं हूँ, लेकिन आज... रुक कर आधा किलो गुलाबजामुन बँधवाए।

घर पहुँची और चेंज कर लौटी तब तक सौम्य चाय बना चुके थे, मैं गर्म गुलाबजामुन बाउल में रख रही थी कि फोन बजा। सौम्य चाय लेकर जा चुके थे, ऋषभ भी वहीं था, इसलिए इत्मीनान था कि कोई-न-कोई फोन तो उठा ही लेगा। मैंने नमकीन निकाला और सारे सामान को ट्रे में सजा रही थी कि सौम्य ने अंदर आकर खुशखबरी सुनाई - अरुण का फोन है, तुम्हारा ट्रांसफर रुक गया है... । पता नहीं कैसे गुलाबजामुन का बाउल मेरे हाथ से छूट गया... गुलाबजामुन लुढ़के और बाउल टूट कर पूरे किचन में बिखर गया... मैं उस बिखरेपन को एकटक देख रही थी और मेरे अनजाने ही आँसू उमड़ आए थे... सौम्य ने मेरे सिर को प्यार से थपथपाया... कोई बात नहीं... इसमें रोने की क्या बात है? चलो तुम बाहर जाओ... मैं सब ठीक कर देता हूँ... मैं धुँधलाई आँखों से कभी सौम्य को तो कभी उस बिखरेपन को अवाक होकर देख रही थी।

(-'हिन्दीसमय' से साभार)

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

साक्षर

बालकनी से देख रहा हूँ कि सड़क पार खड़े, हरी पत्तियों से लकदक पेड़ पर कुछ पीली पत्तियाँ भी हैं। इस पीलेपन से हरे की आभा में उठाव आ गया है, पेड़ की छवि में समग्रता का भाव आ गया है। रंगसिद्धांत के अनुसार नीला और पीला मिलकर बनता है हरा..। वनस्पतिशास्त्र बताता है कि हरा रंग अमूनन युवा और युवतर पत्तियों का होता है। पकी हुई पत्तियों का रंग सामान्यत: पीला होता है। नवजात पत्तियों के हरेपन में पीले की मात्रा अधिक होती है।

पीले और हरे से बना दृश्य मोहक है। परिवार में युवा और बुजुर्ग की रंगछटा भी इसी भूमिका की वाहक होती है। एक के बिना दूसरे की आभा फीकी पड़ने लगती है। अतीत के बिना वर्तमान शोभता नहीं और भविष्य तो होता ही नहीं। नवजात हरे में अधिक पीलापन बचपन और बुढ़ापा के बीच अनन्य सूत्र दर्शाता है। इस सूत्र पर अपनी कविता स्मरण हो आती है-

पुराने पत्तों पर नयी ओस उतरती है,
अतीत का चक्र वर्तमान में ढलता है,
सृष्टि यौवन का स्वागत करती है,
अनुभव की लाठी लिए बुढ़ापा साथ चलता है।

प्रकृति पग-पग पर जीवन के सूत्र पढ़ाती है। हम देखते तो हैं पर बाँचते नहीं। जो प्रकृति के सूत्र बाँच सका, विश्वास करना वही अपने समय का सबसे बड़ा साक्षर और साधक भी हुआ।

बोध कथा

भूतनी का घर

बहादुरगढ़ नाम के शहर में एक बेहद पुराना घर था। उस घर को सब लोग भूतिया और अपशकुनी कहते थे, क्योंकि जो भी वहां रहने आता उनकी किसी न किसी कारण से मृत्यु हो जाती। इसलिए वो घर खरीदने के लिए कोई भी तैयार नहीं होता था। एक बार विजय नाम के शख्स ने उस घर को बहुत ही सस्ते दाम में खरीद लेता है और अपने बेटे मोनू के साथ सारा सामान लेकर वहां रहने आ जाता है। घर में शिफ्ट होने के 1-2 दिन में ही विजय को अपने आसपास अजीबो-गरीब घटनाएं घटित होने का एहसास होने लगा। पहले तो वह इसे नजरअंदाज करता रहा, लेकिन जब उसे घर में किसी की मौजूदगी का एहसास होने लगा तो वह सतर्क हो गया।

एक दिन मोनू दौड़ता हुआ विजय के पास आया और कहने लगा कि वॉशरूम में पानी अचानक बंद हो गया और उसने वहां सफेद कपड़े में एक औरत को देखा। इतना कहते-कहते मोनू अचानक चुप हो गया और विजय की ओर उंगली दिखाते हुए कहने लगा, पापा, वो औरत आपके पीछे खड़ी है। इतना कहकर मोनू ने डर से चीखने लगा। विजय मोनू को गोद में उठा कर उसी वक्त घर से बाहर निकल गया।

मोनू बहुत सहम गया था तो उसका डर भगाने के लिए विजय ने उसके लिए एक कुत्ता खरीदा और उसे साथ लेकर तीनों घर वापस आ गए। एक रात बहुत तेज बरसात में जब अचानक घर की बिजली चली गई। विजय ने घर से झांक कर देखा तो आसपास के सभी घरों में बिजली थी सिवाय उनके घर के तो उसे लगा की जरूर पावर सप्लाई में कुछ गड़बड़ी हुई होगी।

इतने में विजय को मोनू के जोर से चिल्लाने की आवाज आती है। विजय दौड़ता हुआ टॉर्च लेकर उसके पास जाता है। मोनू को दोबारा से घर में वह औरत दिखाई देती है। मोनू को सहमा देखकर विजय उसे अपने साथ बिजली ठीक करने के लिए पावर हाउस ले जाता है। उनका कुत्ता भी यहां-वहां देखते हुए जोर-जोर से भौंकने लगता है। विजय को आभास होता है कि कोई उनके पीछे-पीछे आ रहा है।

पावर हाउस का दरवाजा खोलते ही विजय को सामने एक लाश दिखाई देती है। लाश देखकर मोनू भी डर के मारे चिल्लाने लगता है। विजय अपने बेटे को लेकर तुरंत दरवाजा खोलकर घर से बाहर भागने की कोशिश करने लगता है। घर से बाहर निकलते हुए अचानक विजय का पांव दरवाजे के पास बनी लकड़ियों की सीढ़ियों में फंस जाता और बहुत कोशिश करने पर भी वह पांव बाहर नहीं निकाल पाता।

मोनू अपने पापा को बाहर खींचने की कोशिश करता है, लेकिन काफी प्रयास करने पर भी वह विजय को बाहर नहीं निकाल पाता। कोई उपाय न सुझने पर मोनू अपने कुत्ते को लेकर वापस घर के अंदर चला जाता है और दरवाजा खुद ब खुद बंद हो जाता है।

वहां विजय भी करीब 15 मिनट तक मशक्कत करने के बाद अपना पांव बाहर निकालने में सफल हो जाता है। विजय दौड़ता हुआ घर के अंदर जाता है और चारों ओर मोनू की तलाश करता है, लेकिन उसे ना तो मोनू और ना ही कुत्ते का कुछ पता चल पाता है। बहुत ढूंढने पर भी जब दोनों नहीं मिलते, तो विजय हार मान लेता है और उनके दोबारा मिलने की आस में वहीं रहने लगता है।

कुछ दिन बाद विजय बिजली की लाइन को ठीक करने के लिए एक इलेक्ट्रिशियन को बुलाता है, लेकिन घर में दाखिल होने से पहले ही वह दरवाजे से ही उल्टे पैर भाग जाता है। विजय के पूछने पर वह कहता है कि आपके घर में एक औरत, एक बच्चा और एक कुत्ते का भूत दिखाई दे रहा है। इलेक्ट्रिशियन की बात सुनकर विजय उदास हो जाता है। उसे एहसास हो जाता है कि अब उसका बेटा कभी लौटकर नहीं आएगा, जिसके बाद विजय वह घर छोड़कर चला जाता है और कभी लौटकर नहीं आता।

कहानी से सीख :

किसी भी चीज पर अपना समय व धन निवेश करने से पहले जांच पड़ताल कर लेनी चाहिए

वीर गाथा

ले. नरेंद्र मायेकरः लहूलुहान होकर भी किया कई उग्रवादियों का खात्मा, कर्तव्य के लिए हुए बलिदान

लेफ्टिनेंट नरेंद्र मायेकर का जन्म गोवा के वास्को डी गामा में हुआ था। माता भागीरथी देवी और पिता आत्माराम के बहादुर बेटे नरेंद्र कॉलेज की पढ़ाई पूरी करने के बाद भारतीय सेना में भर्ती हो गए थे। उन्हें ईएमई कोर में कमीशन दिया गया था।

नरेंद्र को प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उत्तर पूर्व में तैनात किया गया। उन्हें 11 सिक्ख इंफैंट्री बटालियन में नियुक्त किया गया था। लेफ्टिनेंट नरेंद्र फरवरी 2000 में असम में तैनात थे। उनकी यूनिट का इलाका उग्रवाद से प्रभावित था। इसके मद्देनजर यूनिट के जवान लगातार ऑपरेशन चला रहे थे।

इसके तहत यूनिट ने उग्रवादियों की संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए नियमित गश्त शुरू की थी। 26 फरवरी को यूनिट को अपने खुफिया सूत्रों से सूचना मिली। उसका विश्लेषण करने के बाद उग्रवादियों के एक ठिकाने पर हमला करने की योजना बनाई गई। यह जिम्मेदारी नरेंद्र को सौंपी गई।

लेफ्टिनेंट नरेंद्र योजना के अनुसार अपने सैनिकों के साथ बागरीगुड़ी गांव स्थित उस संदिग्ध इलाके में पहुंच गए और घेराबंदी अभियान शुरू कर दिया। जब उन्होंने उग्रवादियों को चुनौती दी तो उन पर गोलीबारी हुई। इसके जवाब में सैनिकों ने भी गोलीबारी की। नरेंद्र उस कार्रवाई का नेतृत्व करते हुए उग्रवादियों के ठिकाने की ओर तेजी से बढ़ रहे थे। इस दौरान उन्हें कई गोलियां लगीं और वे गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बावजूद उन्होंने हमला जारी रखा, सैनिकों को आदेश देते रहे और कई उग्रवादियों का खात्मा कर दिया। लेफ्टिनेंट नरेंद्र का काफी खून बह गया था, लेकिन उन्होंने तब तक वहां से जाने से इन्कार कर दिया, जब तक कि सभी उग्रवादी मारे नहीं जाते। बहादुर सैनिक, दृढ़ निश्चयी अधिकारी लेफ्टिनेंट नरेंद्र मायेकर अपने कर्तव्य के लिए बलिदान हो गए। उन्हें 'कीर्ति चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बचाव

कुल्लू में मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन के बाद मलबे में दबे एक ऑटो को बचाते हुए।

बच्चों में गणित कौशल सुधारने के लिए नयी परोपकार संस्था की योजना बना रहे ऋषि सुनक, अक्षता मूर्ति

लंदन। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति ने शनिवार को ऐलान किया कि वे इंग्लैंड में बच्चों और युवाओं में गणित कौशल को निखारने पर केंद्रित एक नयी परोपकारी संस्था शुरू करने की योजना बना रहे हैं। 'रिचमंड प्रोजेक्ट' की शुरुआती इस साल के अंत में की जाएगी। पिछले साल सुनक के '10 डाउनिंग स्ट्रीट' छोड़ने के बाद से 44 वर्षीय दंपती की यह पहली बड़ी संयुक्त परियोजना है और इसका उद्देश्य स्कूली बच्चों को गणित विषय में आत्मविश्वासी बनाने में मदद करना है।

सुनक ने सोशल मीडिया पर घोषणा की, इस साल के अंत में अक्षता और मैं 'रिचमंड प्रोजेक्ट' की शुरुआत करेंगे – एक नयी परोपकारी संस्था जो गणित विषय में सुधार पर केंद्रित है। उन्होंने कहा, गणित को लेकर आत्मविश्वास जीवन को बदल देता है। यह संभावनाओं के अवसर खोल देता है, सामाजिक गतिशीलता को बढ़ावा देता है और लोगों को आगे बढ़ने में मदद करता है। लेकिन अभी, बहुत से लोग संघर्ष कर रहे हैं। जल्द ही और भी बहुत कुछ आने वाला है। अक्षता मूर्ति ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर पोस्ट कर कहा कि यह परोपकारी संस्था शिक्षा की ताकत के प्रति उनकी साझा अभिलाषा को दर्शाता है।

समूह फोटो

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और उनकी पत्नी सुदेश धनखड़ महाराष्ट्र के राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन के साथ, के.पी.बी. की 75वीं वर्षगांठ समारोह में एक समूह फोटो के दौरान।

व्यक्ति बिटकॉइन वाली हार्ड ड्राइव की तलाश करना चाहता है- यहां इसे खोजने की संभावनाएं हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्लासगो (ब्रिटेन)। जेम्स हॉवेल्स दक्षिण वेल्स में एक 'काउंसिल डंप' खरीदने पर विचार कर रहे हैं, क्योंकि उनके पूर्व साझेदार ने गलती से उनके बिटकॉइन 'वॉलेट' वाली हार्ड ड्राइव फेंक दी थी। बिटकॉइन एक विकेन्द्रीकृत डिजिटल मुद्रा है। हॉवेल्स पहले ही उच्च न्यायालय में एक मामला हार चुके हैं। उन्होंने अदालत से हार्ड ड्राइव की तलाश करने की अनुमति मांगी थी। हॉवेल्स का मानना है कि उसमें 60 करोड़ पाउंड मूल्य के बिटकॉइन हैं। लेकिन क्या इसे ढूंढ़ पाना संभव होगा? चलिए गणित करते हैं। वेल्स आईटी इंजीनियर हॉवेल्स दिसंबर 2008 में क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन को अपनाने वाले शुरुआती लोगों में से एक थे। फरवरी 2009 तक, उन्होंने अपने लैपटॉप पर बिटकॉइन को अर्जित करना शुरू किया था। उस समय, वह यह डिजिटल मुद्रा अर्जित करने वाले सिर्फ पांच लोगों में से एक थे और अंततः उन्होंने लगभग 8,000 बिटकॉइन की संपत्ति अर्जित की। इस मुद्रा से जुड़ा पहला वास्तविक लेन-देन 2010 में हुआ था, जब फ्लोरिडा में एक व्यक्ति ने 10,000 बिटकॉइन में दो पिज्ज़ा खरीदे थे।

हालांकि, इसके बाद के 15 वर्षों में, मुद्रा का मूल्य नाटकीय रूप से बढ़ गया है। दिसंबर 2024 में एक बिटकॉइन 100,000 अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि हॉवेल्स अपनी हार्ड ड्राइव को तलाशना चाहते हैं। लेकिन 1.4 अरब किलोग्राम कचरे वाली जगह पर 10 सेमी की छोटी हार्ड ड्राइव मिलने की क्या संभावना है?

राष्ट्रपति मुर्मू ने हड़प्पा युग के शहर धोलावीरा का किया दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुज। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुजरात के कच्छ जिले के खादिर बेट द्वीप स्थित सिंधु घाटी सभ्यता से संबंधित प्रमुख पुरातात्विक स्थल धोलावीरा का शुक्रवार को दौरा किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक सरकारी विज्ञप्ति में बताया गया कि यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल और 5,000 साल पुरानी सभ्यता के महानगर के भ्रमण के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू को प्राचीन मानव सभ्यता के चरणबद्ध विकास और नगर नियोजन के बारे में गहन जानकारी दी गई।

इसमें कहा गया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के महानिदेशक यदुबीर सिंह रावत ने उन्हें इस प्राचीन स्थल के बारे में जानकारी दी। यह सबसे अच्छी तरह से संरक्षित शहरी बस्तियों में से एक है, जहां 3000-1500 ईसा पूर्व के बीच लोग रहते थे। विज्ञप्ति में कहा गया कि राष्ट्रपति मुर्मू को हड़प्पा संस्कृति, आवास, तत्कालीन जल संग्रहण की नीति एवं निपटान प्रणालियों तथा प्राचीन महानगर की विशाल दीवारों के बारे में बताया गया। इसमें कहा गया, वह प्राचीन मनका बनाने वाले कारखानों, सुनियोजित बावड़ी, ऊपरी शहर, मध्य शहर और निचले शहर आदि को देखकर अभिभूत हो गईं।

विज्ञप्ति में कहा गया कि राष्ट्रपति मुर्मू को धोलावीरा स्थल की खुदाई के दौरान मिली विभिन्न कलाकृतियां, मिट्टी के बर्तनों के अवशेष, विभिन्न तांबे की वस्तुएं, तौलने के उपकरण और पत्थर के आभूषण दिखाए गए। मुर्मू ने यात्रा के अंत में धोलावीरा स्थल के परिसर में पौधारोपण भी किया। इस मौके पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, कच्छ के प्रभारी मंत्री प्रफुल पनशेरिया, कच्छ के जिलाधिकारी अमित अरोड़ा और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

दौरा

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह और अन्य के साथ शनिवार को कटरा में माता वैष्णो देवी मंदिर का दौरा करते हुए।

एकता कपूर ने मनाया 'हम पांच' के 30 साल पूरे होने का जश्न

मुंबई/एजेन्सी। जानीमानी फिल्मकार एकता आर कपूर ने अपने आइकॉनिक शो 'हम पांच' के 30 साल पूरे होने का जश्न मनाया है। एकता आर कपूर के बालाजी टेलीफिल्म्स के बैनर तले बना शो हम पांच 1995 में पहली बार ऑन एयर हुआ और देखते ही देखते भारत के सबसे चहेते सिटकॉम्स में शामिल हो गया। टीवी की एंटरटेनमेंट क्वीन एकता आर कपूर ने अपने आइकॉनिक शो 'हम पांच' के तीन दशक पूरे होने पर एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया। सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए एकता ने लिखा 19 की उम्र में किया ये काम! कॉमेडी ड्रामा से पहले आई थी।

सैफ अली खान के साथ काम करेंगी रकुल प्रीत सिंह

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह, निर्माता रमेश तौरानी की फिल्म में सैफ अली खान के साथ नजर आयेंगी। 'मेरे हसबैंड की बीवी' के बाद रकुल प्रीत सिंह अब एक और धमाकेदार फिल्म के लिए तैयार हैं। कहा जा रहा है कि रकुल जल्द ही सैफ अली खान के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्माण जाने-माने निर्माता रमेश तौरानी कर रहे हैं। रकुल, रमेश तौरानी के बैनर तले एक रोमांचक नए प्रोजेक्ट के लिए सैफ अली खान के साथ काम करने के लिए तैयार हैं। रकुल प्रीत सिंह

लगातार अलग-अलग इंडस्ट्री में दमदार रोल कर अपनी पहचान बना रही हैं। चाहे रोमांटिक कॉमेडी हो या इंटेंस ड्रामा, उन्होंने हर तरह के किरदार ऐसे चुने हैं जो उनकी एक्टिंग स्किल को और निखारते हैं।

यह प्रोजेक्ट सैफ अली खान के साथ रकुल का एक जबरदस्त कॉम्बिनेशन लेकर आ रहा है। सैफ अपनी नैचुरल चार्म और हर किरदार में जान डालने की काबिलियत के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में ये जोड़ी स्क्रीन पर एक नई फ्रेश एनर्जी लेकर आएगी।

रमेश तौरानी, जो हमेशा एंटरटेनिंग फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, इस प्रोजेक्ट में भी अपनी ट्रेडमार्क स्टाइल लेकर आ रहे हैं।कमर्शियल अपील के साथ दमदार कहानी। भले ही अभी फिल्म की स्टोरी और जॉनर को लेकर सस्पेंस बना हुआ है, लेकिन इस कोलैबोरेशन की चर्चा इंडस्ट्री में जोरों पर है।

अनुभव सिन्हा के साथ फिर से काम करने को उत्सुक हैं तापसी पन्नू

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री तापसी पन्नू ने अपनी फिल्म थप्पड़ के पांच साल पूरे होने पर एक बार फिर से निर्देशक अनुभव सिन्हा के साथ काम करने की उत्सुकता जताई है। वर्ष 2020 में रिलीज़ हुई फिल्म थप्पड़ की पांचवीं सालगिरह पर तापसी पन्नू ने निर्देशक अनुभव सिन्हा के साथ एक तस्वीर शेयर करते हुये एक खास कैप्शन भी लिखा।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, कुछ रिश्ते सिर्फ मुलाकातों तक नहीं रुकते, बल्कि नई कहानियों की शुरुआत करते हैं। पांच साल और इस थप्पड़ की गूंज अभी भी उतनी ही साफ़ सुनाई देती है जितनी तालियों की गड़गड़ाहट ।और अब ????सरजी आगे क्या?!

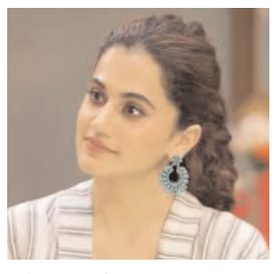

उल्लेखनीय है कि फिल्म थप्पड़ लॉकडाउन से पहले बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली आखिरी फिल्म थी। 'थप्पड़' को हर तरफ से सराहना मिली और यह दो हफ्तों तक सिनेमाघरों में चलती रही। लॉकडाउन लगने से पहले फिल्म ने 33 करोड़ का कलेक्शन किया। इससे पहले अनुभव और तापसी ने फिल्म'मुल्क' में साथ काम किया था, जो हिट रही थी।

अक्षय कुमार की फिल्म 'कन्नप्पा' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय अभिनेता विष्णु मांचू और बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म 'कन्नप्पा' का टीजर रिलीज कर दिया गया है। कन्नप्पा की पौराणिक कथा पर आधारित महाकाव्य फ़िल्म कन्नप्पा का बहुप्रतीक्षित टीज़र रिलीज हो गया है। पहले ही फ्रेम से, टीज़र एक्शन, भक्ति और हाई-स्टेक ड्रामा की दुनिया में ले जाता है। विष्णु मांचू थिनाडू के रूप में मुख्य भूमिका में हैं, जो एक निडर योद्धा से भक्त बन जाता है और भगवान शिव का परम भक्त बन जाता है। अक्षय कुमार भगवान शिव के रूप में चौंका देते हैं, जबकि मोहनलाल किराता के रूप में ध्यान आकर्षित करते हैं। प्रभास रुद्र के रूप में प्रवेश करते हैं, जो एक अविस्मरणीय सिनेमाई अनुभव के लिए मंच तैयार करता है। टीज़र में काजल अग्रवाल और प्रीति मुखुंधन की झलकियाँ भी दिखाई गई हैं, जो फिल्म की स्टार पावर को बढ़ाती हैं। निर्देशक मुकेश कुमार सिंह ने कहा, कन्नप्पा सिर्फ़ एक कहानी नहीं है। यह आस्था, भक्ति और परिवर्तन की शक्ति को श्रद्धांजलि है। इस पौराणिक कथा को जीवंत करने के लिए हर फ्रेम को सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है, जिससे यह आधुनिक दर्शकों के साथ जुड़ सके और साथ ही इसकी जड़ों से भी जुड़ा रहे। हम दुनिया को कन्नप्पा की भव्यता का अनुभव कराने के लिए उत्साहित हैं।विष्णु मांचू ने कहा,फ़िल्म कन्नप्पा मेरे दिल के बेहद करीब है। यह एक ऐतिहासिक कहानी को जीवंत करती है, जिसे अक्सर पौराणिक कथाओं के रूप में संदर्भित किया जाता है। भगवान शिव के आशीर्वाद से,लुभावने स्थानों से लेकर अविश्वसनीय स्टार कास्ट तक, सब कुछ सही जगह पर आ गया है। कान्स में हमें जो ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली, वह तो बस शुरुआत थी, और मैं भारत के दर्शकों के लिए इस महाकाव्य को बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्सुक हूं। यह प्रोजेक्ट प्यार का श्रम रहा है, और मुझे विश्वास है कि कन्नप्पा एक स्थायी प्रभाव छोड़ेगा। एम. मोहन बाबू निर्मित, फिल्म कन्नप्पा 25 अप्रैल को दुनिया भर में रिलीज़ होने जा रही है।

श्रेया घोषाल का 'एक्स' अकाउंट हैक, फैंस को दी चेतावनी

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर गायिका श्रेया घोषाल ने अपने प्रशंसकों को जानकारी दी है कि उनका 'एक्स' अकाउंट 13 फरवरी से हैक हो गया है। उन्होंने फैंस को अकाउंट पर किए गए किसी पोस्ट या मैसेज या लिंक पर ध्यान न देने को लेकर चेतावनी भी दी है। शनिवार को उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में बताया कि कई कोशिशों के बावजूद वह अपना अकाउंट वापस नहीं ले पाई हैं। अपनी पोस्ट में उन्होंने लिखा, सभी प्रशंसकों और दोस्तों को नमस्कार। मेरा एक्स अकाउंट 13 फरवरी से हैक हो गया है। मैंने एक्स टीम से संपर्क करने की हर संभव कोशिश की, लेकिन सिर्फ कुछ ऑटो-जवाब ही मिले, कोई मदद नहीं मिली। अब मैं अपने अकाउंट में लॉगिन भी नहीं कर सकती और न ही इसे डिलीट कर सकती हूं। कृपया उस अकाउंट से आने वाले किसी भी लिंक पर क्लिक न करें और न ही किसी मैसेज पर भरोसा करें। ये सभी फर्जी और धोखाधड़ी वाले लिंक हैं। अगर मेरा अकाउंट वापस मिल जाता है और सुरक्षित होता है, तो मैं खुद वीडियो के जरिए इसकी जानकारी दूंगी।

इस बीच, श्रेया घोषाल हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मोटापे के खिलाफ मुहिम का समर्थन करने को लेकर चर्चा में रहीं। उन्होंने एक वीडियो साझा कर कहा, हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एंटी-ओबेसिटी' (मोटापा विरोधी) अभियान शुरू किया है। यह बहुत जरूरी है, क्योंकि हमारा देश तेज़ी से आगे बढ़ रहा है और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। इसके लिए हमें अपनी सेहत पर ध्यान देना होगा। आइए, सही खान-पान अपनाने की शपथ लें, तेल और चीनी का सेवन कम करें, पोषण से भरपूर और मौसमी भोजन खाएं, और बच्चों को भी पौष्टिक आहार दें।

अच्छी सेहत ही असली संपत्ति है। इसलिए, छोटे-छोटे बदलाव करके हम देश में बड़ा असर ला सकते हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, मुझे एंटीओबेसिटी फाइटओबेसिटी अभियान का हिस्सा बनने पर गर्व है, जो हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में एक संतुलित जीवनशैली को बढ़ावा दे रहा है। आइए, एक स्वस्थ भारत की ओर कदम बढ़ाएं, क्योंकि यही हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ी विरासत होगी। 24 फरवरी को प्रधानमंत्री मोदी ने फिल्म जगत से अभिनेता मोहनलाल, आर. माधवन, निरहुआ और गायिका श्रेया घोषाल को इस अभियान में शामिल होने के लिए नामांकित किया।

अपनी फिल्मों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया मनमोहन देसाई ने

पुण्यतिथि के अवसर पर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में मनमोहन देसाई का नाम एक ऐसे फिल्मकार के रूप में याद किया जाता है, जिन्होंने अपनी निर्मित फिल्मों के जरिये इंटरटेनर नंबर वन के रूप में दर्शकों के बीच अपनी पहचान बनाई। फिल्म इंडस्ट्री में 'मनजी' के नाम से मशहूर मनमोहन देसाई का जन्म 26 फरवरी 1937 को हुआ था। उनके पिता किक्कू देसाई फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े थे और उन्होंने वर्ष 1930 में एक फिल्म का निर्देशन भी किया था। वह पारामाउंट स्टूडियो के मालिक भी थे। घर में फिल्मी माहौल रहने के कारण उनका रुझान बचपन से ही फिल्मों की ओर हो गया था। वर्ष 1960 में जब मनमोहन देसाई जब महज 24 वर्ष के थे तो उन्हें अपने भाई सुभाष देसाई द्वारा निर्मित फिल्म 'छलिया' को निर्देशित करने का मौका मिला। राज कपूर और नूतन जैसे दिग्गज कलाकारों की उपस्थिति में भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हुयी। हालांकि संगीतकार कल्याणजी-आंनदजी के संगीतबद्ध गीत 'छलिया मेरा नाम' और 'डम-डम डिगा डिगा' उन दिनों काफी लोकप्रिय हुए थे। वर्ष 1964 में मनमोहन देसाई को फिल्म 'राजकुमार' को निर्देशित करने का मौका मिला। इस बार भी फिल्म में उनके चहेते अभिनेता और मित्र शम्मी कपूर थे। इस बार मनमोहन देसाई की मेहनत रंग लाई और फिल्म के सफल होने के साथ ही वह फिल्म इंडस्ट्री में बतौर निर्देशक अपनी पहचान बनाने में सफल हो गए।

वर्ष 1970 में प्रदर्शित 'सच्चा झूठा' मनमोहन देसाई के सिने करियर की अहम फिल्म साबित हुआ।

वर्ष 1977 में मनमोहन देसाई की परवरिश, धरमवीर, चाचा भतीजा, अमर अकबर एंथनी जैसी सुपरहिट फिल्में प्रदर्शित हुई। इन सभी फिल्मों में उन्होंने अपने खोया-पाया फार्मूले का सफल प्रयोग किया। वह अक्सर यह सपना देखा करते थे कि वह दर्शकों के लिए भव्य पैमाने पर मनोरंजक फिल्म का निर्माण करेंगे। अपने इसी ख्वाब को पूरा करने के लिए उन्होंने फिल्म 'अमर अकबर एंथनी' के जरिये फिल्म निर्माण के क्षेत्र में कदम रख दिया और 'एमकेडी' बैनर की स्थापना की।अमर अकबर एंथनी उनके सिने करियर की सबसे सफल फिल्म साबित हुई।

इस फिल्म में यूं तो सभी गाने सुपरहिट हुए लेकिन फिल्म का 'हमको तुमसे हो गया है प्यार' गीत संगीत जगत की अमूल्य धरोहर के रूप में आज भी याद किया जाता है। इस गीत में पहली और अंतिम बार लता मंगेशकर, मुकेश, मोहमद रफी और किशोर कुमार जैसे नामचीन पार्श्वगायकों ने अपनी आवाज दी थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | रविवार | 02-03-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

जीतो साउथ लेडीज विंग की 52 सदस्याओं ने कज़ाखस्तान के अल्माटी यात्रा की तथा पर्यटन के साथ अनेक अनुभव प्राप्त किए। साउथ चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत किया और कहा कि यह यात्रा केवल मनोरंजन के लिए नहीं, बल्कि आपसी संबंधों को मजबूत करने, व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देने और एकता के इस भाव को मनाने का एक अनमोल अवसर है।

शिक्षकों के हाथों में होता है देश के भविष्य का निर्माण : साध्वी संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साध्वीश्री संयमलताजी ने विहार के दौरान आदिचुनचुनगिरि हायर प्राइमरी स्कूल के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी हमारे देश के शुभ भविष्य हैं इनका जीवन अच्छा बने, सच्चा बने तथा चरित्र उज्ज्वल बने तभी देश की उन्नति के मार्ग में आगे बढ़ा जा सकता है। साध्वीश्री मार्दवश्रीजी ने बच्चों को याददाश्त बढ़ाने के टिप्स बताते हुए शिक्षकों के साथ बातचीत करते हुए कहा टीचर्स आर क्रिएटर आफ आवर कंट्री ब्राइट फ्यूचर। उन्होंने कहा नई पीढ़ी शिक्षकों के द्वार पर कुछ सीखने के लिए, पाने के लिए नहीं बल्कि अच्छे जीवन के निर्माण का सपना लेकर आती है। देश का भविष्य भी उनके हाथों में है, उन पर निर्भर है। इसलिए शिक्षक वर्ग अपना जीवन स्वच्छ निर्मल व पवित्र बनाएं जिसका बच्चों की मन पर जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। एक अच्छा शिक्षक हजार विद्यार्थियों के जीवन का निर्माता होता है। साध्वी मनीषा प्रभा जी ने कन्नड़ भाषा में अपने विचार व्यक्त करते हुए बच्चों को अर्हम एवं महाप्राण ध्वनि का प्रयोग करवाया। साध्वीश्री बेंगलूरु की तरफ विहार कर रही हैं। इस मौके पर अध्यक्ष मंगल कोचर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष भंवरलाल मांडोत, ललित सेठिया, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा आदि उपस्थित थे।

देवी महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के शरावती युवा गेलेयारा बलगा पट्टेगारपाल्या संघ द्वारा बंडे महाकाली, कबालम्मा देवी महोत्सव का आयोजन किया गया। इस महोत्सव में विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

खाटू श्याम मंदिर में विधि विधान से हुआ निशान पूजन

101 श्रद्धालु 5 मार्च को खाटू मंदिर में चढ़ाएंगे निशान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राजस्थान के खाटू में बाबा श्याम का फाल्गुन मास में वार्षिक लख्खी मेले पर हर वर्ष की भांति इस 20वें वर्ष भी खाटू श्याम मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में 4 मार्च को हवाई जहाज से 101 भक्तों का जत्था खाटू धाम के लिए रवाना होकर जयपुर जाएगा। 5 मार्च को सुबह रिंगस से पूजा पाठ कर शोभायात्रा के साथ पैदल यात्रा का खाटू मंदिर में निशान चढ़ाए जाएंगे।

निशान यात्रा के उपलक्ष्य में शनिवार को बेंगलूरु मंदिर में श्याम मंदिर ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य महेश गुप्ता, रेवन्तमल झँवर, सुशील राणासरिया, ऋषि गुप्ता सहित अनेक सदस्यों ने निशानों की पूजा की। इस अवसर पर बडी संख्या में श्याम भक्तों ने हाजरी लगाई व श्याम के जयकारे लगा मंगल यात्रा की कामना की।

क्रिस्टू जयंती कॉलेज में राष्ट्रीय हिन्दी कार्यशाला सम्पन्न

विषय था हिंदी और भारतीय भाषाओं के लिए सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के क्रिस्टू जयंती महाविद्यालय में एक दिवसीय राष्ट्रीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। हिंदी और भारतीय भाषाओं में शिक्षण एवं अधिगम में सूचना एवं संचार प्राद्योगिकी प्रयोग, विभिन्न क्षेत्रों में रोज़गार के अवसरों पर केंद्रित इस कार्यशाला का उद्घाटन क्रिस्तु जंयती महाविद्यालय के मानविकी संकाय के निदेशक रेवरेंड फादर डॉ. जोशी मैथ्यू की उपस्थिति में पांडिच्चेरी केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. सी. जयशंकर बाबू ने किया। इस अवसर पर अपने स्वागत भाषण में महाविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीधर पी.डी. ने कार्यशाला की प्रासंगिकता और उद्देश्य बताते हुए छात्रों के भविष्य जीवन के लिए कैरियर और कुशलताओं के हासिल करने में कार्यशाला उपयोगी होने की बात कही। अध्यक्षीय भाषण में रेवरेंड फादर डॉ. जोशी मैथ्यू ने कहा कि वर्तमान में हिंदी के बढ़ते महत्व को ध्यान में रखकर इस कार्यशाला का विषय अत्यंत प्रासंगिक है । भारत की

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीय भाषाओं के माध्यम से शिक्षा और सभी विषय क्षेत्रों में भारतीय ज्ञान प्रणाली को महत्व दिया गया है । इस दिशामें इस कार्यशाला आयोजन की बड़ी प्रासंगिकता है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. सी. जय शंकर बाबू ने उद्घाटन सत्र में विद्यार्थियों कोसंबोधित करते हुए कहा कि छात्रों का एक लक्ष्य निर्धारित कर उस लक्ष्य को हासिल करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहना अपेक्षित है। हिंदी और भारतीय भाषाओं के लिए सूचना और प्रौद्योगिकी के प्रयोग की कुशलताएँ हासिल करने के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय भाषाओं के प्रयोग के महत्व पर बल देते हुए डॉ. बाबू ने कार्यशाला में बहुभाषायी कंप्यूटिंग, विभिन्न क्षेत्रों में रोज़गार के अवसरों और उनके लिए अपेक्षित कुशलताएँ हासिल करने पर छात्रों को प्रशिक्षित किया ।इस कार्यशाला में चार सत्रों में क्रमशः शिक्षण और अध्ययन के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (खउढ), बहुभाषी कंप्यूटिंग, भाषा, भाषाविज्ञान और साहित्य तथा संबंधित क्षेत्रों में करियर के अवसर, करियर विकास के लिए कौशल वृद्धि विषयों पर डॉ. सी. जय शंकरने प्रशिक्षण दिया । महाविद्यालय के कुल 190 छात्र-छात्राओं इस कार्यशाला में प्रतिभागिता थी। इस कार्यशाला ने हिंदी और भारतीयों के संवर्धन में नई पीढ़ी की भूमिका संबंधी चेतना जगाई ।

कार्यशाला के संयोजक डॉ. गणशेटवार साईनाथ नागनाथ तथा हिन्दी विभाग के प्राध्यापक डॉ. विनोद बाबूराव मेघशाम, डॉ. मोहम्मद नयाज पाशा, डॉ. एम. अब्दुल रजाक, डॉ. कृष्णा डी. लमाणी और डॉ. बेंद्र बसवेश्वर नागोराव आदिउपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन छात्रा रिंकी और दानिया ने किया और धन्यवाद ज्ञापन छात्रा खुशी ने किया ।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जीतो की आत्मनिर्भर योजना शुरु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो लेडीज विंग अपेक्स द्वारा प्रोजेक्ट आत्मनिर्भर ओरिएंटेशन सत्र का आयोजन ऑनलाइन तरीके से हुआ। संयोजिका बिन्दु रायसोनी ने 'हाउसहोल्ड बिज़नेस मॉडल-आत्मनिर्भर' सत्र का संचालन किया। ज्ञातव्य है कि पिछले दिनों जीतो नेशनल वुमन्स कांक्लेव में आत्मनिर्भर लोगो का अनावरण पंजाब राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशसक गुलाबचंद कटारिया ने किया था। एपेक्स चेयरपर्सन शीतल दुग्गड़ ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए आत्मनिर्भर पहल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जरूरतमंद महिलाओं को विभिन्न प्रकार के व्यावसायिक कौशल सिखाने और आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने की योजना बनाई गई है।

एपेक्स वाइस चेयरपर्सन यश्मा जैन ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से कौशल विकास और वित्तीय स्वतंत्रता की आवश्यकता पर बल दिया। इस सत्र में बेलगावी से सुमेती शिरगांव ने अपनी व्यावसायिक यात्रा साझा करते हुए कहा कि अब तक 700 से अधिक महिलाओं को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाकर सशक्त बनाया है। उन्होंने सिलाई और हस्तशिल्प कौशल सिखाने की अपनी यात्रा साझा की और 40 से अधिक सरकारी समर्थित कौशल कार्यक्रमों की जानकारी दी।

कार्यक्रम में एक वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से विभिन्न मशीनों और उपकरणों की उपलब्धता पर भी चर्चा की गई। सत्र के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया। बिन्दु रायसोनी ने सभी योगदानकर्ताओं और उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया। इस सत्र में प्रोजेक्ट टीम से ममता जैन, प्रिय भंडारी, साधना धोका, सूर्यकला सियाल, संगीता बेताला के साथ-साथ अपेक्स टीम सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

अंतरिक्ष पार्श्वनाथ तीर्थ की यात्रा के लिए यात्री रवाना

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय मोहनखेड़ा राजेंद्रसूरी संघ नगरथपेट द्वारा आयोजित एवं संघ के संस्थापक कांतिलाल सेठ की प्रबल भावना से अंतरिक्ष पार्श्वनाथ तीर्थ की पंच दिवसीय तीर्थ यात्रा के लिए 200 यात्रियों का जत्था हैदराबाद के लिए रवाना हुआ। यात्रा संघ हैदराबाद में सुबह नवग्रह मंदिर कुलपाकजी तीर्थ चैतन्यपुरी वाशिमवाहा से अंतरिक्ष पार्श्वनाथ दर्शन पूजा करेगा। यह जानकारी जयंतीलाल श्रीश्रीमाल ने दी।

गांठें लगाना आसान है पर खोलना मुश्किल : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसूर। होसूर से कोयम्बटूर की ओर विहार करते हुए उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने जैन स्थानक में प्रवचन करते हुए कहा कि गांठें लगाना आसान है लेकिन गांठें खोलना मुश्किल है। हम किस किस के प्रति गांठें लगाकर बैठे है जिनके साथ हम हर वक्त रहते हैं उनके प्रति भी हम सहमें सहमें रहते हैं। हम दूसरों के साथ व्यवहार करना भी नहीं जानते, हम खुद से, भगवान से कैसे मुलाकात करेंगे जब हम परिवार को भी साथ लेकर नहीं चल सकते।

मुनिश्री ने कहा कि जहां जहां गांठ है वहां रस खत्म हो जाता है। गन्ने में जहां गांठ गांठ होती है वहां रस की कोई संभावना नहीं है। मुनिश्री ने कहा कि भगवान को प्रिय वहीं है जो गांठमुक्त है। गांठ अंदर से आती है परन्तु जीवन को दर-बदर भटकने के लिए तैयार कर देती है।

मुनिश्री शालिभद्रजी ने कहा कि हमें अच्छी सोच, अच्छे संबंध का संचय करना चाहिए। हमें गलती को स्वीकार करके सुधार की ओर बढ़ना चाहिए। मुनिश्री ने कहा कि हमें हर चीज किफायती और सुन्दर चाहिए पर हमारी विकृत सोच को देखकर पशु भी शरमा जाते हैं। हमें कोहिनूर का संचय करना है कांच का नहीं। हमें डुप्लीकेट नहीं ओरिजनल का संचय करना है। मुनिश्री ने कहा कि वस्तु ब्रांडेड नहीं अपितु मन को ब्रांड बनाइए तब हम भी महावीर, बुद्ध, राम की श्रृंखला में आ सकते हैं।

मानव जीवन अति अनमोल है : विनयमुनि खींचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के पार्क वेस्ट जैन स्थानक में विराजित श्री विनयमुनिजी खींचन ने प्रवचन सभा में कहा कि मनुष्य, जन्म दुर्लभ माना गया है। परन्तु वर्तमान में तथाकथित त्यागी वर्ग मनुष्य जन्म अनमोल है। अनमोल और दुर्लभ में बहुत अन्तर है। अंनता पुण्य कमाया होगा तभी मनुष्य भव मिला है। नकारात्मक विचारों में संसार की सभी बुराइयों धीरे धीरे आत्मा में जुडती जाती है। जीवन में नमना व झुकना सीखना चाहिए क्योंकि झुकने से ही उंचाई प्राप्त की जा सकती है। द्वेष ही दुनिया का सबसे शत्रु है। द्वेष प्रवृत्ति से दुःख देने की प्रवृत्ति बढ़ती है। संघ मंत्री अशोक कुमार लोढ़ा ने सभी का स्वागत किया। संघ अध्यक्ष चंदूलाल लुंकड़ ने धन्यवाद दिया।

सड़क दुर्घटना में पांच तीर्थयात्रियों की मौत

चामराजनगर/दक्षिण भारत। चामराजनगर जिले में माले मदेश्वर मंदिर जा रहे पांच तीर्थयात्रियों की शनिवार को उस समय मौत हो गई, जब उनकी कार और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना जिले के कोल्लेगल तालुका के चिक्किंदुमडी में हुई। पुलिस ने बताया कि पीड़ित महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित भव्य समारोह के लिए पहाड़ी पर स्थित मंदिर जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

जीतो साउथ लेडीज विंग ने की कजाखिस्तान की यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ लेडीज़ विंग की 52 सदस्याओं ने कज़ाखिस्तान के अल्माटी यात्रा की तथा पर्यटन के साथ अनेक अनुभव प्राप्त किए। साउथ चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत किया और कहा कि यह यात्रा केवल मनोरंजन के लिए नहीं, बल्कि आपसी संबंधों को मजबूत करने, व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देने और एकता के इस भाव को मनाने का एक अनमोल अवसर है। केकेजी लेडीज़ विंग की संयोजिका पिंकी जैन ने बताया कि यह यात्रा संगठन की बैठकों से आगे बढ़कर हमारे सदस्याओं के आपसी संबंधों को और मजबूत करेगी।

मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने कहा कि यह यात्रा महिलाओं में आत्मविश्वास और स्वतंत्रता की भावना को प्रेरित करेगी। बेंगलूरु साउथ के चेयरमैन रंजीत सोलंकी ने कहा कि इस प्रकार की पहलों के माध्यम से हम एक सशक्त समुदाय के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहां महिलाएं व्यक्तिगत और व्यावसायिक रूप से आगे बढ़ सकें। केकेजी ज़ोन चेयरमैन प्रवीण बाफना, केकेजी ज़ोन मुख्य सचिव दिलीप जैन, केकेजी ज़ोन की सह संयोजक कीर्ति संचेती, साउथ के मुख्य सचिव नितिन लुनिया और लेडीज़ विंग संयोजक प्रवीन सोफाडिया ने अपनी शुभकामनाएँ दीं।

यात्रा संयोजक अंगिका बाफना और सह संयोजक वनीता बच्छावत ने पूरे यात्रा का संयोजन किया।

लड़ाई या विवाद से कभी नहीं होती शांति की स्थापना : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

विदेशों में बसे जिज्ञासुओं के लिए आयोजित हुआ परिसंवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हिरियूर। शनिवार को एक ऑनलाइन परिसंवाद में विश्व के करीब पचास से अधिक देशों में बसे जिज्ञासु मुमुक्षुओं को मार्गदर्शक देते हुए जैनाचार्य विमलसागर सूरीश्वरजी ने कहा कि परस्पर प्रेम, मैत्री, सरलता, संतोष आदि तत्व ही जीवन की शांति के लिए आवश्यक हैं। क्रोध और शत्रुता शांति को नष्ट करते हैं। जैन संघ के राणमल चोपड़ा, अशोक डाकलिया और विजय बंदामुथा ने बताया कि करीब तीन घंटे चले इस परिसंवाद में अलग-अलग देशों से विभिन्न धर्म-संप्रदायों और जाति-वर्गों के सैकड़ों प्रबुद्ध लोगों ने भाग लिया। स्थानीय श्रद्धालुओं ने भी बड़ी संख्या में कार्यक्रम का लाभ उठाया। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जीवन की शांति सबसे अमूल्य तत्व है। वह सुलभ नहीं, दुर्लभ है। किसी भी कीमत पर उसे खोने की गलती नहीं करनी चाहिए। शांति के नष्ट होते ही जीवन की अनेक उपलब्धियां और संभावनाएं व्यर्थ हो जाती हैं। शांति को कहीं से खरीदा या हस्तांतरित नहीं किया जा सकता। वह भीतर से निष्पन्न अद्भुत भावदशा है। युध्द, लड़ाइयां और विवाद शांति को नष्ट करते हैं, अपितु शांति की स्थापना कभी नहीं कर सकते। जो लोग लड़ाई के बाद शांति स्थापित होने की आशा या अपेक्षा रखते हैं, वे गफलत में हैं। वैभव और वस्तुओं से शांति को प्राप्त करने की कामना मनुष्य का सबसे बड़ा भ्रम है।

मूलतः कोलकाता के जानेमाने संगीतज्ञ और साधक कुमार चटर्जी ने मुंबई से विश्वभर के जिज्ञासुओं के लिए इस परिसंवाद का आयोजन किया था। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी कार्यक्रम के मुख्य मार्गदर्शक थे। कुमार चटर्जी ने कहा कि संगीत और भक्तियोग मन को शांति देते हैं। साधना के प्रारंभिक काल में इनकी गहरी उपयोगिता है। गणि पद्मविमलसागरजी ने कहा कि शांति ही जीवन की सबसे बड़ी खोज है। जिसे यह मिल जाती है, वह निहाल हो जाता है। बड़े-बड़े प्रोफेशन और पदों पर बैठे धनाढ्य लोगों से परिसंवाद के बाद निष्कर्ष में यह सिद्ध हुआ कि पद, प्रतिष्ठा, ऊंची पढ़ाई, पैसा और पॉवर जीवन की भौतिक उपलब्धियां हैं, लेकिन जीवन की शांति इन सबसे भिन्न मन की निराली भावदशा है।

बिड़दी में तेरापंथ उपसभा का किया गया गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिड़दी। साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में बिडदी में महासभा के निर्देशन में उपसभा का गठन किया गया। साध्वीश्रीजी ने मंगल प्रेरणा पाथेय देते हुए कहा कि उपसभा गठन से समाज को संघीय गतिविधियों को संचालित करने के लिए एक संगठन उपलब्ध हुआ है, जिसके अंतर्गत सभी कार्य सुचारू रूप से संपन्न किए जा सकते हैं। संगीतप्रभाजी ने धर्म संघ की एक आचार, एक मर्यादा एवं एक अनुशासन, मार्ग सेवा तथा श्रावकों के कर्तव्य, महासभा आपके द्वार, भगवान महावीर की वाणी अनेक सामयिक विषयों पर प्रवचन प्रदान किया। महासभा दक्षिण आंचलिक प्रभारी प्रकाश लोढा ने महासभा द्वारा संचालित गतिविधियों की जानकारी देते हुए बिड़दी श्रावक समाज की उपस्थिति में तेरापंथ उपसभा का गठन किया। महेंद्र दक ने श्रेणी साधक के रूप में अपनी जानकारी प्रदान की। तुलसी निकेतन समिति उदयपुर के अध्यक्ष सुरेश दक ने अपने विचार रखे और उपसभा संयोजक के रूप में कुशाल देवड़ा एवं सहसंयोजक के रूप में दिलखुश दक की नियुक्ति की गई। समारोह में बेंगलूरु के महेन्द्र दक, केंगेरी के सुरेश दक, बिड़दी से लादूलाल दक, अमृत देवड़ा, दिलखुश दक, इमरतलाल देवड़ा, रमेश देवड़ा, रमेश मुथा, विकास बोराणा, विशाल मुथा, सुशील डूंगरवाल, संपत डूंगरवाल, विनोद मारू, महावीर मारू, कुणाल देवड़ा आदि श्रावकों की उपस्थिति रही। धन्यवाद दिलखुश दक ने दिया ।

जेवाईएस ने संतों के दर्शन कर महावीर जन्मकल्याणक में सान्निध्यता हेतु किया निवेदन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जैन युवा संगठन(जेवाईएस) के अध्यक्ष महावीर मुणोत, मंत्री नीरज कटारिया, कोषाध्यक्ष संतोष डूंगरवाल, साधु साध्वी समिति चेयरमैन कपिल काल्या, सह चेयरमैन कमलेश कोटडिया, विक्रम पितलिया, सुनील मेहर,राकेश बोहरा, प्रथम पितलिया, अभय बोहरा, सेवा ट्रस्ट से धर्मीचंद बोहरा आदि ने श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2624वें जन्म कल्याणक महोत्सव निमित्त बेंगलूरु में विचरण कर रहे साधु साध्वियों से आशीर्वाद प्राप्त करने एवं जन्म कल्याणक महोत्सव निमित्त सान्निध्य प्रदान करने हेतु भेंट की। संगठन के सदस्यों ने श्री वीरेन्द्र मुनिजी, मुनिश्री

मोहजीतकुमारजी, श्री कनकमुनिजी आदि के दर्शन कर सान्निध्यता हेतु निवेदन किया। पदाधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं व गतिविधियों की जानकारी भी दी।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com